हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

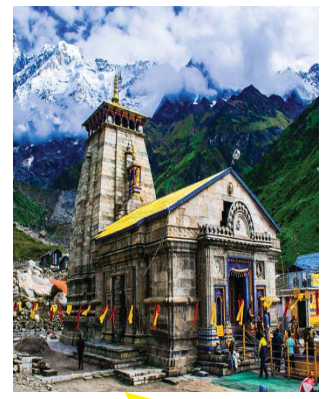

वर्ष:5 अंक:08 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, सोमवार, 12 जनवरी 2026

तलवारों की जगह दूसरे तरीकों से भारत के खिलाफ हो रहे षड्यंत्र : मोदी

सोमनाथ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां रविवार को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अवसर पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में वह ताकतें मौजूद और पूरी तरह सक्रिय हैं, जिन्होंने सोमनाथ पुनर्निर्माण का विरोध किया। आज तलवारों की जगह दूसरे तरीके से भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचे जा रहे हैं।

मोदी ने कहा कि भारत के पास सोमनाथ जैसे हजारों साल पुराने पुण्य स्थल हैं। ये स्थल हमारे सामर्थ्य, प्रतिरोध और परंपरा के पर्याय रहे हैं लेकिन दुर्भाग्य से आजादी के बाद गुलामी की मानसिकता वाले लोगों ने इनसे पल्ला झाड़ने की कोशिश की। उस इतिहास को भुलाने के कुत्सित प्रयास किए गए। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से, आज भी हमारे देश में वो ताकते मौजूद हैं, जो पूरी तरह सक्रिय हैं, जिन्होंने सोमनाथ पुनर्निर्माण का विरोध किया। आज तलवारों की जगह दूसरे कुत्सित तरीकों से देश के खिलाफ षड्यंत्र हो रहे या फिर रचे जा रहे हैं। इसलिए हमें ज्यादा सावधान रहना है, हमें खुद को शक्तिशाली बनाना है। हमें एक रहना है, एकजुट रहना है, ऐसी हर ताकत को हराना है जो हमें बांटने की साजिशें रच रही हैं।

उन्होंने कहा कि जब हम अपनी आस्था से जुड़े रहते हैं, अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं, पूरे स्वाभिमान के साथ अपनी विरासत का संरक्षण करते हैं, अपनी विरासत के प्रति सजग रहते हैं,

तो हमारी सभ्यता की जड़ें भी मजबूत होती हैं। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक अवसर पर, मैंने भारत के लिए हजार साल का विराट स्वप्न सामने रखा था। मैंने 'देव से देश' के विजन के साथ आगे बढ़ने की बात कही थी। आज देश का सांस्कृतिक पुनर्जागरण करोड़ों देशवासियों में नया विश्वास भर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हर देशवासी के मन में विकसित भारत को लेकर एक भरोसा है। आज 140 करोड़ भारतीय भविष्य के लक्ष्यों को लेकर संकल्पित हैं। भारत अपने गौरव को नई बुलंदी देगा, हम गरीबी के खिलाफ अपनी लड़ाई में जीतेंगे, हम विकास की नई ऊंचाइयों को छुएंगे। पहले दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य, फिर उसके आगे का सफर, देश अब इसके लिए तैयार हो चुका है। और सोमनाथ मंदिर की ये ऊर्जा, हमारे इन संकल्पों को आशीर्वाद दे रही है।

उन्होंने कहा कि आज का भारत विरासत से विकास की प्रेरणा लेकर आगे बढ़ रहा है। सोमनाथ में विकास भी विरासत भी ये भावना निरंतर साकार हो रही है। आज एक ओर, सोमनाथ मंदिर का सांस्कृतिक विस्तार, सोमनाथ संस्कृत यूनिवर्सिटी की स्थापना, माधवपुर मेले की लोकप्रियता और उसके रंग, इनसे हमारी विरासत मजबूत हो रही है, गिर लायन के संरक्षण से इस क्षेत्र का प्राकृतिक आकर्षण बढ़ रहा है, तो वहीं, प्रभास पाटन क्षेत्र विकास के नए आयाम भी गढ़े जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि केशोद एयरपोर्ट का विस्तार किया जा रहा है। इससे देश-विदेश से श्रद्धालु सीधे सोमनाथ तक पहुंच सकेंगे। अहमदाबाद से वेरावल वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत से तीर्थयात्रियों और पर्यटकों का समय कम हुआ है। इस क्षेत्र में यात्राधाम सर्किट का विकास भी किया जा रहा है। यानी, आज का भारत आस्था को स्मरण करने के साथ ही, इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और टेक्नॉलॉजी के जरिए उसे भविष्य के लिए सशक्त भी कर रहा है। मोदी ने कहा कि हमारी सभ्यता का संदेश कभी किसी को पराजित करने का नहीं रहा, बल्कि जीवन को संतुलन में रखने का रहा है। हमारे यहां आस्था की राह हमें घृणा की तरफ नहीं ले जाती। हमारे यहाँ शक्ति हमें विनाश करने का अहंकार नहीं देती। सोमनाथ जैसे तीर्थ ने हमें सिखाया है कि, सृजन का मार्ग लंबा होता है, लेकिन वही स्थायी होता है, चिरंजीव होता है। उन्होंने कहा कि तलवार की नोक पर कभी दिलों को नहीं जीता जा सकता, जो सभ्यताएं दूसरों को मिटाकर आगे बढ़ना चाहती हैं, वे स्वयं समय में खो जाती हैं। इसीलिए, भारत ने दुनिया को ये नहीं सिखाया कि दूसरे को हराकर कैसे जीता जाए, बल्कि ये सिखाया कि कैसे दिलों को जीतकर जिया जाए। ये विचार आज दुनिया की जरूरत हैं। सोमनाथ की हजार वर्षों की गाथा पूरी मानवता को ये सीख दे रही है। इसलिए आइए, हम संकल्प करें, हम विकास की ओर आगे बढ़ें, कदम से कदम मिलाकर चलें, कंधे से कंधा मिलाकर चलें, मन से मन को जोड़कर चलें, लक्ष्य को ओझल दिए हुए बिना हम चलते चलें, और साथ ही अपने अतीत और अपनी विरासत से भी जुड़े रहें।

मोदी ने कहा कि हम आधुनिकता को अपनाते हुए अपनी चेतना को संभाले रखें। आइए, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व जैसे आयोजनों से प्रेरणा लेते हुए, विकसित होने के मार्ग पर तेजी से चलें। हर चुनौती को पार करते हुए, हम अपने लक्ष्य तक पहुंचें और ये कार्यक्रम आज तो शुरू हो रहा है, हमें हजार साल का स्मरण देश के कोन-कोने में करना है, दुनिया को हमारी विरासत का परिचय करवाना है, हमें 75 साल का ये नया पर्व भी मनाना है। हम 2027 मई तक इसको मनाते रहें, जन-जन को जगाते रहें , जगा हुआ देश सपनों को साकार करने के लिए चलता रहे, इसी कामना के साथ, एक बार फिर समस्त देशवासियों को मैं बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

किसान के आत्महत्या प्रकरण पर मुख्यमंत्री धामी सख्त, कुमाऊँ आयुक्त से मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश

पथ प्रवाह, देहरादून।

ऊधमसिंह नगर जनपद के काशीपुर निवासी एक किसान द्वारा हल्द्वानी में आत्महत्या किए जाने के गंभीर और दुखद प्रकरण को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अत्यंत संवेदनशीलता से लेते हुए इसकी निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर कुमाऊँ आयुक्त दीपक रावत द्वारा पूरे मामले की मजिस्ट्रेट जांच कराई जाएगी, ताकि घटना से जुड़े सभी तथ्यों और परिस्थितियों की गहनता से पड़ताल हो सके।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने स्पष्ट कहा है कि इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही या दोष को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ की जाए, जिससे सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि जांच के दौरान किसी भी स्तर पर दोष या लापरवाही पाई जाती है, तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने इस गंभीर प्रकरण को लेकर मुख्य सचिव आनंद बर्धन तथा पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ से भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि मामले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए हर पहलू पर गंभीरता से कार्य किया जाए और जांच प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने दिवंगत किसान के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है और सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने

अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए, चाहे वह प्रशासनिक सहयोग हो या अन्य आवश्यक मदद, ताकि परिवार को न्याय मिल सके।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों और उनकी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। किसी भी किसान के साथ अन्याय या उत्पीड़न की स्थिति को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे और प्रशासन को जमीनी स्तर पर किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए अधिक संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा।

राज्य सरकार ने आश्वस्त किया है कि मजिस्ट्रेट जांच की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई शीघ्र की जाएगी और दोषियों को कानून के दायरे में लाकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाएगा।

धर्म सत्ता के बिना अधूरी है राज सत्ता : श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज

पथ प्रवाह, हरिद्वार

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि धर्म सत्ता के बिना राज सत्ता अधूरी है। उन्होंने कहा कि जब शासन धर्म और संस्कारों के मार्ग पर चलता है, तभी समाज का सर्वांगीण कल्याण संभव होता है। आज देश और प्रदेश में भाजपा सरकार इसी सोच के साथ कार्य कर रही है और जनता की अपेक्षाओं पर खरी उतर रही है।

निरंजनी अखाड़ा पहुंचे भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तराखंड की सह-प्रभारी रेखा वर्मा ने श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने रेखा वर्मा को मां मनसा देवी की चुनरी ओढ़ाकर तथा प्रतिमा भेंट कर आशीर्वाद प्रदान किया।

श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में चहुंमुखी विकास हो रहा है। विकास कार्यों से आमजन का जीवन सरल और सुगम हुआ है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष हरिद्वार में आयोजित होने वाले कुंभ मेले को भव्य और दिव्य स्वरूप देने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में तीव्र गति से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। हरिद्वार विश्व की आध्यात्मिक राजधानी है और कुंभ मेले के भव्य आयोजन से सनातन धर्म की प्रतिष्ठा और अधिक सुदृढ़ होगी। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तराखंड की सह-प्रभारी रेखा वर्मा ने कहा कि संत-महापुरुषों के सानिध्य से ही समाज को सही दिशा और कल्याण का मार्ग मिलता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार संतों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए जनकल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। रेखा वर्मा ने विश्वास जताया कि अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज के नेतृत्व में आयोजित होने वाला हरिद्वार कुंभ मेला, साथ ही उज्जैन और नासिक के महाकुंभ, देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

इस अवसर पर भारत माता मंदिर के महंत महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी महाराज, राज्यमंत्री सुनील सैनी, भाजपा नेता संजीव चौधरी, कुलदीप चौधरी सहित अनेक संत-महापुरुष एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

48 पैकेट देशी शराब के साथ नशा तस्कर दबोचा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सिडकुल पुलिस द्वारा 48 पैकेट देशी शराब किन्नू मार्का के साथ अभियुक्त कमल कुमार पुत्र धर्मपाल निवासी ग्राम चमारावाला शाह थाना नगीना जिला बिजनौर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी फिलहाल शनि देव मंदिर के पास रोशनाबाद में रह रहा है। सिडकुल पुलिस ने नशा तस्कर को रोशनाबाद बिजली घर के पास से गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के विरुद्ध आबकारी अधिनियम में मुकदमा पंजीकृत किया गया। पुलिस टीम में कांस्टेबल हरि सिंह और कांस्टेबल रिपेंद्र थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार शामिल रहे।

मंगलौर में फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, तमंचा व कारतूस बरामद

पथ प्रवाह, हरिद्वार। अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार प्रमेंद्र डोबाल के निर्देशों पर जनपद पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कोतवाली मंगलौर पुलिस ने ग्राम मुंडलाना में एक निवासी के घर पर फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तमंचा और कारतूस भी बरामद किए हैं। ग्राम मुंडलाना में कुछ दिन पूर्व आपसी रंजिश के चलते बदला लेने की नीयत से दो युवकों द्वारा एक व्यक्ति के घर पर फायरिंग की गई थी, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार ने आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

एसएसपी के आदेशों के अनुपालन में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मंगलौर अमरजीत सिंह ने तत्काल एक पुलिस टीम का गठन कर मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। पुलिस टीम ने लगातार प्रयास करते हुए 10 जनवरी 2026 को प्रभावी कार्रवाई के तहत दोनों आरोपियों को तमंचा मय कारतूस के साथ हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सत्यम पुत्र सोमपाल निवासी ग्राम तोड़ा खगड़ा, कोतवाली रुड़की तथा कुलबीर पुत्र बालेश्वर निवासी ग्राम मुंडलाना, जनपद हरिद्वार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक अदद 12 बोर तमंचा (मय खोखा कारतूस) तथा एक अदद 12 बोर जिंदा कारतूस बरामद किया है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाना कोतवाली मंगलौर पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पकड़े गए पार्किंग मैनेजर की मौत के जिम्मेदार दोनों आरोपी

पथ प्रवाह,हरिद्वार। कोतवाली नगर पुलिस ने पार्किंग मैनेजर की मौत के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय पार्किंग में पार्किंग शुल्क को लेकर हुए विवाद के चलते मैनेजर को आरोपियों ने कार से टक्कर मार दी थी, जिसके बाद गंभीररूप से घायल मैनेजर की मौत हो गई थी। पुलिस के मुताबिक प्रताप सिंह प्रताप पुत्र राजपाल सिंह निवासी-ग्राम भंगेड़ी महावतपुर रूड़की, हरिद्वार हाल निवासी- पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्किंग रोड़ीबेलवाला, हरिद्वार ने कोतवाली हरिद्वार में एक तहरीर दी थी। जिसमें आरोप लगाया था कि वैगनआर कार चालक द्वारा वाहन पार्किंग शुल्क न देते हुए पार्किंग बैरियर तोड़ते हुए भागने का प्रयास किया गया। इस दौरान मैनेजर सहदेव कुमार द्वारा उक्त वाहन को रोकने का प्रयास किया, जिस पर वाहन चालक द्वारा जान से मारने की नीयत से मैनेजर को टक्कर मारकर रौंदते हुए गम्भीर रूप से घायल कर दिया और मौके से वाहन लेकर फरार हो गए। उपचार के लिए हायर सेन्टर ले जाते समय रास्ते में मैनेजर सहदेव की मृत्यु हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा दिये गये दिशा निर्देश के क्रम में कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत दौराने चैकिंग त्वरित कार्यवाही करते हुये आरोपी चालक विशाल व सूरज को वैगनार कार के साथ चमगादड़ टापू की आड़ से गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी सोनीपत जनपद के रहने वाले हैं।

आपदा सुरक्षित उत्तराखण्ड के निर्माण में इंडियन रेडक्रास स्वंयसेवक बनेंगे सहभागी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वाधान में सम्पूर्ण उत्तराखण्ड में आपदा सुरक्षित उत्तराखण्ड के निर्माण में इंडियन रेडक्रास स्वंयसेवक सक्रिय सहभागिता का निर्वहन करेंगे। इंडियन रेडक्रास उत्तराखण्ड के चेयरमेन डॉ. नरेश चौधरी के नेतृत्व यूथ रेडक्रास एवं जूनियर रेडक्रास स्वंयसेवकों ने भी गत दिवस राज्य स्तरीय कार्यशाला में शीत लहर प्रबंधन में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

रेडक्रास उत्तराखण्ड के चेयरमेन डॉ. नरेश चौधरी ने बताया कि उत्तराखण्ड में सभी दैवीय एवं मानव जनित आपदाओं हेतु फस्ट मेडिकल रेस्पोन्डर (स्र.रू्रू)तैयार किये जा रहे हैं। जोकि अपने-अपने क्षेत्रों में आपदाओं के प्रति जन समाज को जन जागरण अभियानों के तहत आपदा न्यूनीकरण के लिए प्रशिक्षित करेंगे। प्राथमिक उपचार के प्रशिक्षण के साथ-साथ आपदाओं से पहले की तैयारी, आपदा आने पर एवं आपदाओं के बाद जन सहभागिता हेतु सभी सामाजिक संस्थाओं के स्वंयसेवियों को भी इंडियन रेडक्रास स्वंयसेवक प्रशिक्षण देंगे। डॉ. नरेश चौधरी ने बताया कि 2027 में होने वाले हरिद्वार के कुंभ में भी पूर्व की भांति इंडियन रेडक्रास सभी स्वंयसेवी संस्थाओं की मदर एन.जी.ओ.की सक्रिय भूमिका का निर्वहन करेगा। कुंभ मेला की सम्पूर्ण अवधि में उत्तराखण्ड के रेडक्रास स्वंयसेवकों के साथ-साथ अन्य प्रदेशों के रेडक्रास स्वंयसेवकों को भी आमंत्रित कर उनका भी सहयोग लिया जायेगा। जिससे अन्य प्रदेशों की क्षेत्रीय भाषाओं को जानने वाले रेडक्रास स्वंयसेवक 'रू्न4 ह्वद्र ॥द्गद्य ड्डश्चद्ग' केन्द्रों पर 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे और सभी श्रद्धालुओं/यात्रियों की हर संभव मदद करेंगे। कुंभ मेले से पहले सभी स्वंयसेवकों हेतु प्रशिक्षण कार्यशालाएं भी आयोजित की जायेंगी जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। आपदा सचिव विनोद सुमन ने डॉ. नरेश चौधरी को विशेष रुप से धन्यवाद देते हुए कहा कि आपदा मित्रों, आपदा सखियों को भी इंडियन रेडक्रास द्वारा प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण तो दिया जा ही रहा है। जन जागरण अभियानों में भी रेडक्रास की आपदा विभाग को सक्रिय सहभागिता मिलेगी, जिसमें हम बहुत शीघ्र ही आपदा सुरक्षित उत्तराखण्ड का निर्माण कर सकेंगे।

स्वच्छता के नाम पर अभद्रता बर्दाश्त नहीं, नगर निगम हरिद्वार ने किया सख्त खंडन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

नगर निगम हरिद्वार ने कनखल क्षेत्र स्थित लाटोवाली स्थान पर दीवार पर लिखी गई आपत्तिजनक एवं अभद्र भाषा को लेकर स्पष्ट और सख्त स्पष्टीकरण जारी किया है। नगर निगम ने साफ शब्दों में कहा है कि उक्त दीवार लेखन से उसका कोई भी संबंध नहीं है और यह कृत्य अज्ञात व्यक्तियों द्वारा किया गया है, जिसमें भ्रामक रूप से नीचे 'नगर निगम हरिद्वार' अंकित कर दिया गया था।

नगर निगम के संज्ञान में यह मामला आने के बाद विभाग ने इसे गंभीरता से लिया। निगम का कहना है कि स्वच्छता जागरूकता एक आवश्यक सामाजिक अभियान है, लेकिन इसके नाम पर किसी भी प्रकार की अशालीन, अपमानजनक या असंवैधानिक भाषा का प्रयोग पूरी तरह अस्वीकार्य है। नगर निगम हमेशा सभ्य, सकारात्मक और कानूनसम्मत तरीकों से ही नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करता आया है और आगे भी इसी नीति पर कार्य करेगा।

प्रकरण की जानकारी मिलते ही मुख्य सफाई निरीक्षक श्रीकांत ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित दीवार से आपत्तिजनक संदेश को तुरंत हटवा दिया गया, ताकि सार्वजनिक स्थल पर किसी भी प्रकार की गलत और आपत्तिजनक भाषा प्रदर्शित न रहे। निगम ने स्पष्ट किया कि शहर की छवि को धूमिल करने वाले ऐसे कृत्यों पर सख्ती बरती जाएगी।

इस पूरे मामले को लेकर नगर आयुक्त नंदन कुमार ने जांच के निर्देश जारी किए हैं। नगर निगम की टीम आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लोगों से पूछताछ कर रही है और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह अभद्र लेखन किस व्यक्ति या समूह द्वारा किया गया। निगम प्रशासन का कहना है कि दोषियों की पहचान होते ही उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम ने आमजन से भी अपील की है कि यदि किसी को इस घटना से संबंधित कोई भी जानकारी हो, तो वह नगर निगम को तत्काल सूचित करे, जिससे दोषियों तक जल्द पहुंचा जा सके। निगम ने दोहराया कि शहर की स्वच्छता के साथ-साथ सामाजिक मर्यादा और सार्वजनिक शालीनता बनाए रखना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है और स्वच्छता के नाम पर अभद्रता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गंगा किनारे पकड़ी गई बिजली चोरी, ऋषिकुल क्षेत्र में 6 अवैध कनेक्शन कटे

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार जनपद के ऋषिकुल क्षेत्र में गंगा किनारे हो रही बिजली चोरी के मामलों पर विद्युत विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध कनेक्शनों पर शिकंजा कस दिया। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद विभाग की टीम ने त्वरित अभियान चलाया और मौके पर पहुंचकर 5 से 6 अवैध बिजली कनेक्शन काट दिए। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार गंगा किनारे अतिक्रमण कर रह रहे कुछ लोगों ने लंबे समय से अवैध रूप से बिजली का उपयोग किया जा रहा था। स्थानीय लोगों की शिकायत पर विद्युत विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निरीक्षण किया। जांच में अवैध तारों के जरिए बिजली चोरी की पुष्टि होने पर तुरंत कनेक्शन काटने की कार्रवाई की गई।

इस संबंध में विद्युत विभाग की जूनियर इंजीनियर अर्चना चौहान ने बताया कि विभाग को लगातार बिजली चोरी की सूचनाएं मिल रही हैं और हर शिकायत पर बिना किसी दबाव के सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चेतावनी के बावजूद कुछ लोग नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जेई अर्चना चौहान ने कहा कि भविष्य में यदि दोबारा बिजली चोरी करते हुए कोई पाया गया तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ विद्युत अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। साथ ही उन्होंने आम जनता से अपील की कि कहीं भी बिजली चोरी या अवैध कनेक्शन दिखाई दे तो तुरंत विद्युत विभाग को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर सरकारी राजस्व को होने वाले नुकसान को रोका जा सके।

विकास दिवस के रूप में मना हरिद्वार विधायक मदन कौशिक का जन्मदिन, मुख्यमंत्री धामी समेत दिग्गज नेताओं ने दी शुभकामनाएं

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं हरिद्वार विधायक मदन कौशिक का जन्मदिन सोमवार को हरिद्वार में पूरे उत्साह, हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। भाजपा संगठन और समर्थकों ने इस अवसर को विकास दिवस के रूप में मनाते हुए उनके दीर्घ राजनीतिक योगदान और जनसेवा को सम्मान दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने दूरभाष पर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, दीर्घायु और सक्रिय राजनीतिक जीवन की कामना की।

जन्मदिन समारोह के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने केक काटकर खुशी का इजहार किया और विधायक मदन कौशिक के नेतृत्व, संगठनात्मक क्षमता और हरिद्वार के विकास में उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं समर्थक मौजूद रहे, जिन्होंने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

हरिद्वार विधायक मदन कौशिक उत्तराखंड की राजनीति का एक सशक्त, अनुभवी और

प्रभावशाली चेहरा माने जाते हैं। वे लगातार पांच बार विधायक चुने जा चुके हैं और संगठन तथा सरकार–दोनों स्तरों पर उनका लंबा और प्रभावी अनुभव रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उनके नेतृत्व में वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को ऐतिहासिक और प्रचंड जीत हासिल हुई, जिसे भाजपा संगठन की बड़ी उपलब्धि माना जाता है।

उनकी चुनावी रणनीति, संगठनात्मक कौशल और कार्यकर्ताओं से जुड़ाव को देखते हुए भाजपा का शीर्ष नेतृत्व समय-समय पर उन्हें अन्य राज्यों में विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों के प्रबंधन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपता रहा है। संगठन के भीतर उनकी पहचान एक कुशल रणनीतिकार, मार्गदर्शक और जमीनी नेता के रूप में स्थापित है।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विकास तिवारी ने अपने राजनीतिक गुरु मदन कौशिक को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका जन्मदिन विकास दिवस के रूप में मनाया गया है। उन्होंने कहा कि मदन कौशिक लगातार ढाई दशकों से हरिद्वार की राजनीति में एक अनथक पथिक और सक्रिय योद्धा के रूप में कार्य कर रहे हैं। हरिद्वार की जनता ने उन्हें लगातार बढ़ते जनमत और विश्वास के साथ अपना आशीर्वाद दिया है और आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में भी वे बड़े अंतर से विजय प्राप्त करेंगे, ऐसा उन्हें पूरा विश्वास है।

विधायक मदन कौशिक ने इस अवसर पर कहा कि हरिद्वार की जनता ने उन्हें जो स्नेह, सम्मान और आशीर्वाद दिया है, उसके लिए वे सदैव आभारी रहेंगे और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए निरंतर समर्पित भाव से कार्य करते रहेंगे।

कार्यक्रम में महापौर श्रीमती किरण जैसल, वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष चंद्र, भाजपा जिला महामंत्री हीरा सिंह बिष्ट, मंडल अध्यक्ष तुषांक भट्ट, राजेंद्र कटारिया, किशन बजाज, प्रशांत शर्मा, जिला उपाध्यक्ष तरुण नायर, जिला मंत्री पारुल चौहान, विनीत जोली सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

नशा तस्करों पर पुलिस ने कसा शिकंजा, स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देशानुसार नशा तस्करो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत कोतवाली रानीपुर पुलिस ने दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। इनके पास से बरामद स्मैक की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये बतायी गई है। पुलिस के मुताबिक नशा तस्करों के विरूद्ध छापेमारी एवं चैकिंग अभियान चलाकर पुलिस टीम ने गैस प्लान्ट क्षेत्रान्तर्गत स्थित विजन मेटल फैक्ट्री के पास खाली मैदान से एक आरोपी संतोष सिह को पकड़ा। उसके पास से 09 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई जिसकी बाजार में कीमती लगभग 90,000 रुपये बतायी गई है। आरोपी के पास से स्मैक बेचकर कमाये गये 1500 रुपये भी बरामद हुए। दूसरी पुलिस टीम द्वारा चौकी सुमननगर क्षेत्रान्तर्गत रोड नं0-03 सुमननगर से मंगत दास को पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 05.30 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई, जिसकी बाजार में कीमती लगभग 55,000 हजार रुपये बतायी गई। गिरफ्तार आरोपी संतोष सिंह द्वारा पूछताछ पर बताया कि उसने मंगत नामक लड़के से स्मैक लिया था जो मुझे के.टी.सी. बिल्डिंग के पास ब्रह्मपुरी सिडकुल मे मिला था। दूसरे आरोपी मंगत दास ने स्मैक रावली महदूद से खरीदी थी। रानीपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी संतोष के विरूद्ध थाने पर मु0अ0सं0 14/26 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट व आरोपी मंगत दास के विरूद्ध मु0अ0सं0 15/26 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के अभियोग पंजीकृत किये गये। मा0 न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

ज्वालापुर पुलिस ने चंद घंटों में दबोचा एटीएम चोर

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए एटीएम चोरी के प्रयास के मामले का 24 घंटे के भीतर सफल खुलासा किया है। पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से पाना चाबी एवं एक एटीएम कार्ड बरामद किया है। जानकारी के अनुसार, 10 जनवरी 2026 को आर्य नगर चौक स्थित इंडियन बैंक, हरिद्वार शाखा के एटीएम पर चोरी के प्रयास के संबंध में कोतवाली ज्वालापुर थाने में लिखित तहरीर दी गई थी। इस पर पुलिस द्वारा अपराध संख्या 31/26 धारा 303, 324(4), 62 बीएनएस के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया। विवेचना अपर उप निरीक्षक प्रताप दत्त शर्मा को सौंपी गई। वरिष्ठ उप निरीक्षक खेमेन्द्र गंगवार के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने सुरागरशी-पताराशी एवं सीसीटीवी कैमरों के अवलोकन के आधार पर अभियुक्त की पहचान की। पुलिस ने ऋषभ कुमार पुत्र राजकुमार निवासी पीठ बाजार ज्वालापुर को चोरी के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से पाना चाबी तथा कोटक बैंक का एटीएम कार्ड बरामद किया गया है।

कड़ाके की ठंड में भी हरिद्वार पुलिस ने चलाया सत्यापन अभियान, 6 मकान मालिकों पर जुर्माना

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपद में पड़ रही कड़ाके की ठंड के बावजूद हरिद्वार पुलिस ने डोर टू डोर सत्यापन अभियान रविवार को भी चलाया गया। इस दौरान रानीपुर कोतवाली पुलिस ने ऐसे 6 मकान मालिकों पर जुर्माना की कार्रवाई की जिनके यहां रह रहे किरायेदारों का सत्यापन नहीं कराया गया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार जनपद में आपराधिक घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से कोतवाली रानीपुर पुलिस द्वारा प्रत्येक रविवार को बाहरी व्यक्तियों, किरायेदारों, घरेलू नौकरों, कबाड़ियों, होटल/ढाबों में कार्यरत व्यक्तियों एवं संदिग्ध व्यक्तियों के सत्यापन की कार्यवाही की जा रही है। अभियान के दौरान आमजन को सत्यापन के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को घने कोहरे एवं धुंध के बावजूद रानीपुर पुलिस टीमों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत सलेमपुर महदूद एवं विष्णुलोक कॉलोनी में निवासरत बाहरी व्यक्तियों, किरायेदारों, घरेलू नौकरों, ठेली/फड़ वालों, कबाड़ियों, होटल/ढाबों में कार्यरत व्यक्तियों एवं बिना सत्यापन घूम रहे संदिग्धों

के सत्यापन हेतु सघन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा मौके पर कुल 35 किरायेदारों का सत्यापन कराया गया। साथ ही बिना सत्यापन के किरायेदार, घरेलू नौकर एवं बाहरी व्यक्तियों को रखने पर पुलिस अधिनियम के अंतर्गत 01 मकान मालिक का ?5000/- का नगद चालान किया गया तथा 05 मकान मालिकों के विरुद्ध ?50,000/- के कोर्ट चालान किए गए। रानीपुर पुलिस द्वारा सभी मकान मालिकों को अपने किरायेदारों, घरेलू नौकरों एवं बाहरी व्यक्तियों का शत-प्रतिशत सत्यापन अनिवार्य रूप से कराने हेतु निर्देशित एवं जागरूक किया गया। साथ ही होटल/ढाबों में कार्यरत सभी व्यक्तियों को भी अपना सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए। पुलिस टीम में शान्ति कुमार, प्रभारी निरीक्षक, उप निरीक्षक विकास रावत, चौकी प्रभारी गैस प्लांट, कोतवाली रानीपुर, अपर उप निरीक्षक मोहन सिंह रावत और अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

इंटर कॉलेज पहुंच कर ट्रैफिक पुलिस ने किया यातायात के प्रति जागरूक

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

उच्च अधिकारियों के निर्देश पर यातायात पुलिस ने आदर्श इंटर कॉलेज, खेड़ली बहादराबाद में विशेष यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उप निरीक्षक पंकज जोशी, अपर उप निरीक्षक यातायात नवनीत त्यागी द्वारा प्रधानाचार्य हेमलता चौहान व अन्य शिक्षकों की मौजूदगी में विद्यार्थियों को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान यातायात के नियमों के पालन में लापरवाही के कारण होने वाली दुर्घटनाओं के बारे में बताते हुए जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और लापरवाही से बचने की सीख दी गई। दुर्घटना के बाद पीड़ितों की सहायता करने वाले 'गुड समैरिटन' के अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। सरकार द्वारा चलाई जा रही 'गुड समैरिटन स्कीम' के बारे में भी बताया गया। नाबालिगों द्वारा वाहन

चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं और उनके गंभीर परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर कानूनी प्रावधानों और दंड के बारे में समझाया गया। यह कार्यक्रम युवाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक बनाने और सुरक्षित सड़क संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया।

संपादकीय

न्याय की मांग बनाम राजनीति का शोर: अंकिता भंडारी प्रकरण में मर्यादा की कसौटी

अंकिता भंडारी केवल एक नाम नहीं, बल्कि उत्तराखंड की बेटी और पूरे प्रदेश की संवेदनाओं का प्रतीक है। उसके साथ हुई दुखद घटना ने समाज को झकझोर दिया और स्वाभाविक रूप से हर उत्तराखंडवासी उसके लिए न्याय चाहता है। इसी भावनात्मक पृष्ठभूमि में उत्तराखंड सरकार ने परिजनों की मांग पर सीबीआई जांच की संस्तुति कर एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। अब यह प्रकरण नए सिरे से केंद्रीय जांच एजेंसी के समक्ष जायेगा। जहां निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ सच्चाई सामने आने की अपेक्षा की जा रही है।

लेकिन इस संवेदनशील विषय पर जिस तरह से विपक्ष द्वारा राजनीतिक रंग दिया जा रहा है, उसने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विरोध लोकतंत्र की आत्मा है, इसमें कोई संदेह नहीं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का अधिकार है कि वह सरकार से सवाल पूछे, सड़क से सदन तक अपनी बात रखे और जनभावनाओं को स्वर दे। किंतु विरोध की भी एक मर्यादा होती है। मुख्यमंत्री की शव यात्रा निकालना न केवल राजनीतिक शुचिता के खिलाफ है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी अपमान है। यह न तो न्याय की राह को मजबूत करता है और न ही पीड़ित परिवार के दर्द को कम करता है।

11 जनवरी को उत्तराखंड बंद का आह्वान किया गया, जिसका प्रभाव मिला-जुला रहा। तराई के जनपदों में बाजार खुले रहे, जबकि पहाड़ के कुछ हिस्सों में बंद का असर दिखा। यह तथ्य अपने आप में दर्शाता है कि जनता न्याय चाहती है, अराजकता नहीं। लोग संवेदनशील हैं, भावुक हैं, लेकिन वे यह भी समझते हैं कि न्याय का रास्ता कानून और संविधान से होकर गुजरता है, न कि प्रतीकात्मक उग्र विरोध से।

अंकिता भंडारी का मामला न्यायालय में लंबित है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की भी अपनी संवैधानिक और कानूनी सीमाएं हैं। इसके बावजूद यह तथ्य सामने है कि सरकार ने सीबीआई जांच की संस्तुति कर मामले को सर्वोच्च जांच एजेंसी के सुपुर्द किया। मुख्यमंत्री धामी का राजनीतिक आचरण भी अब तक संवाद और संतुलन पर आधारित रहा है। वे विपक्ष के नेताओं को सम्मान देते हैं, उनकी बात सुनते हैं और कई मामलों में विकास कार्यों पर सहमति के साथ आगे बढ़ते हैं।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या अंकिता भंडारी के नाम पर किया जा रहा विरोध वास्तव में न्याय के लिए है या फिर यह सत्ता तक पहुंचने की राजनीतिक सीढ़ी तलाशने का प्रयास है? बेरोजगारी, पलायन और भ्रष्टाचार जैसे ज्वलंत मुद्दों पर लंबे समय तक मौन रहने वाला विपक्ष अचानक इस प्रकरण पर अतिउग्र रुख अपनाए, तो जनता के मन में शंकाएं पैदा होना स्वाभाविक है। क्या यह संवेदना है या सहानुभूति बटोरने की राजनीति?

उत्तराखंड की जनता एक स्वर में चाहती है कि अंकिता भंडारी को न्याय मिले–पूर्ण, निष्पक्ष और समयबद्ध न्याय। लेकिन इसके साथ ही जनता यह भी चाहती है कि इस पीड़ा का उपयोग राजनीतिक हथियार के रूप में न किया जाए। विरोध हो, सवाल हों, दबाव बने–लेकिन मर्यादा, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ। क्योंकि अंततः न्याय का उद्देश्य सच्चाई को सामने लाना है, न कि समाज को और अधिक विभाजित करना।

स्वामी विवेकानंद : युवा शक्ति के प्रेरणा पुंज

हर्षवर्धन पान्डे

विवेकानन्द जिन्हें उस दौर में नरेन्द्रनाथ नाम से पुकारा जाता था एक ऐसा नाम है जिन्होंने करिश्माई व्यक्तित्व के किरदार को एक दौर में जिया। आज भी लोग गर्व से उनका नाम लेते हैं और युवा दिलों में वह एक आयकन की भांति बसते हैं। इतिहास के पन्नों में विवेकानंद का दर्शन उन्हें एक ऐसे महाज्ञानी व्यक्तित्व के रूप में जगह देता है जिसने अपने ओजस्वी विचारों के द्वारा दुनिया के पटल पर भारत का नाम बुलंदियों के शिखर पर पहुँचाया। उनके द्वारा दिया गया वेदान्त दर्शन भारतीय दर्शन की एक अनमोल धरोहर है। अपने गुरु के नाम पर विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन तथा रामकृष्ण मठ की स्थापना की। विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदांत और योग को प्रसारित करने में विवेकानंद की महत्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही ब्रिटिश भारत के दौरान राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोड़ने में इनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। परमहंस जी जैसे जौहरी ने रत्न को परखा। उन दिव्य महापुरुष के स्पर्श ने नरेन्द्र को बदल दिया। इसी समय उनकी भेंट अपने गुरु रामकृष्ण से हुई, जिन्होंने पहले उन्हें विश्वास दिलाया कि ईश्वर वास्तव में है और मनुष्य ईश्वर को पा सकता है। रामकृष्ण ने सर्वव्यापी परमसत्य के रूप में ईश्वर की सर्वोच्च अनुभूति पाने में नरेंद्र का मार्गदर्शन किया और उन्हें शिक्षा दी कि सेवा कभी दान नहीं, बल्कि सारी मानवता में निहित ईश्वर की सचेतन आराधना होनी चाहिए। यह उपदेश विवेकानंद के जीवन का प्रमुख दर्शन बन गया। 25 वर्ष की अवस्था में नरेन्द्रदत्त ने भगवा वस्त्र को धारण किया। अपने गुरु से प्रेरित होकर नरेंद्रनाथ ने सन्यासी जीवन बिताने की दीक्षा ली और स्वामी विवेकानंद के रूप में दुनिया में जाने गए।

स्वामी विवेकानन्द ने वहाँ भारत और हिन्दू धर्म की भव्यता स्थापित करके ज़बरदस्त प्रभाव छोड़ा।11 सितम्बर 1893 का दिन इतिहास में अमर है। इस दिन अमेरिका में विश्व धर्म सम्मलेन का आयोजन किया जिसमे दुनिया के कोने कोने से लोगो ने शिरकत की। उस दौर में भारत के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी इन्ही के कंधो पर थी। गेरुए कपडे पहने विवेकानन्द ने अपनी वाणी से वहां पर मौजूद जनसमुदाय को मंत्र मुग्ध कर दिया। जहाँ सभी अपना भाषण लिखकर लाये थे वहीँ विवेकानंद ने अपना मौखिक भाषण दिया। दिल से जो निकला वही बोला और जनसमुदाय के अंतर्मन को मानो झंकृत ही कर डाला। उनके शालीन अंदाज ने लोगों को उन्हें सुनने को मजबूर कर दिया। धर्म की व्याख्या करते हुए वह बोले जैसे सभी नदियां अंत में समुद्र में जाकर मिलती है वैसे ही दुनिया में अलग अलग धर्म अपनाने वाले मनुष्य को एक न एक दिन ईश्वर की शरण में जाकर ही लौटना पड़ता है। सिस्टर्स ऐंड ब्रदर्स ऑफ़ अमेरिका के संबोधन के साथ अपने भाषण की शुरुआत करते ही 7000 प्रतिनिधियों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। 17 सितम्बर 1893 को शिकागो में धर्म सभा में उन्होंने भारत को हिन्दू राष्ट्र के नाम से सम्बोधित किया और स्वयं के हिन्दू होने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने सभा को बताया हिन्दू धर्म पर प्रबंध ही हिन्दुत्व की राष्ट्रीय परिभाषा है। इसे समझने पर हमें हमारे विशाल देश की बाहरी विविधता में एकता के दर्शन होते हैं। शिकागो से वापसी पर उन्होंने कहा केवल अंध देख नहीं पाते और विक्षिप्त बुद्धि समझ नहीं पाते कि यह सोया देश अब जाग उठा है।अपने पूर्व गौरव को प्राप्त करने के लिए इसे अब कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने सभी हिन्दुओं को सब भेदों से ऊपर उठकर अपनी राष्ट्रीय पहचान पर गर्व करने का ककहरा ना केवल सुनाया बल्कि दुनिया में भारत के नाम के झंडे गाड़ दिए। विवेकानंद ने वहाँ एकत्र लोगों को सभी मानवों की अनिवार्य दिव्यता के प्राचीन वेदांतिक संदेश और सभी धर्मों में निहित एकता से परिचित कराया। शिकागो में दिये गए उनके व्याख्यानों से एक नए अभियान की शुरुआत हुई जो सुधार के उद्देश्य से आज भी हर किसी के दिल में बसा है। उन्होंने न्यूयॉर्क में लगभग दो वर्ष व्यतीत किये जहाँ वर्ष 1894 में पहली 'वेदांत सोसाइटी' की स्थापना की। उन्होंने पूरे यूरोप का व्यापक भ्रमण किया तथा मैक्स मूलर और पॉल डूसन जैसे मनीषियों से संवाद किया साथ ही भारत में अपने सुधारवादी अभियान के आरंभ से पहले निकोला टेस्ला जैसे प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ तर्क-वितर्क भी किये।

विवेकानंद का विचार है कि सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं, जो उनके आध्यात्मिक गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक प्रयोगों पर आधारित है। परमहंस रहस्यवाद के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखते हैं, जिनके आध्यात्मिक अभ्यासों में यह विश्वास निहित है कि सगुण और निर्गुण की अवधारणा के साथ ही ईसाईयत और इस्लाम के आध्यात्मिक अभ्यास आदि सभी एक ही बोध या जागृति की ओर ले जाते हैं। शिकागो के अपने प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद ने तीन चीजों पर जोर दिया। पहला, उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा न केवल सहिष्णुता बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करने में विश्वास रखती है। दूसरा, उन्होंने स्पष्ट और मुखर शब्दों में इस बात पर बल दिया कि बौद्ध धर्म के बिना हिंदू धर्म और हिंदू धर्म के बिना बौद्ध धर्म अपूर्ण है। तीसरा, यदि कोई व्यक्ति केवल अपने धर्म के अनन्य अस्तित्व और दूसरों के धर्म के विनाश का स्वप्न रखता है तो मैं हृदय की अतल गहराइयों से उसे दया भाव से देखता हूँ और उसे इंगित करता हूँ कि विरोध के बावजूद प्रत्येक धर्म के झंडे पर जल्द ही संघर्ष के बदले सहयोग, विनाश के बदले सम्मिलन और मतभेद के बजाय सद्भाव व शांति का संदेश लिखा होगा। जिस समय शिकागो में 1893 में धर्म सम्मेलन हुआ,उस समय पाश्चात्य जगत भारत को हीन दृष्टि से देखता था। वहां के लोगों ने बहुत प्रयास किया कि विवेकानंद को सर्वधर्म परिषद् में बोलने का समय ही ना मिले, मगर एक अमेरिकी प्रोफ़ेसर के प्रयास से उन्हें थोडा समय मिला। भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जायेगा कहकर स्वामी जी ने पुनः भारत को विश्व गुरु पद पर प्रतिष्ठित कर दिया। गुरुदेव रविंदर नाथ टैगोर ने विवेकानन्द के बारे में कहा है यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानंद को पढ़िए। उन्होंने सनातन धर्म को गतिशील तथा व्यावहारिक बनाया और सुदृढ़ सभ्यता के निर्माण के लिए आधुनिक मानव से विज्ञान व भौतिकवाद को भारत की आध्यात्मिक संस्कृति से जोड़ने किया शायद यही वजह है भारत में स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

स्वामी विवेकानंद का मानना है कि भारत की खोई हुई प्रतिष्ठा तथा सम्मान को शिक्षा द्वारा ही वापस लाया जा सकता है। किसी देश की योग्यता तथा क्षमता में वृद्धि उस देश के नागरिकों के मध्य व्याप्त शिक्षा के स्तर से ही हो सकती है। स्वामी विवेकानंद ने ऐसी शिक्षा पर बल दिया जिसके माध्यम से विद्यार्थी की आत्मोन्नति हो और जो उसके चरित्र निर्माण में सहायक हो सके। साथ ही शिक्षा ऐसी होनी चाहिये जिसमें विद्यार्थी ज्ञान प्राप्ति में आत्मनिर्भर तथा चुनौतियों से निपटने में स्वयं सक्षम हों। विवेकानंद ऐसी शिक्षा पद्धति के घोर विरोधी थे जिसमें गरीबों एवं वंचित वर्गों के लिये स्थान नहीं था।स्वामी विवेकानंद की ओजस्वी वाणी भारत में तब उम्मीद की किरण लेकर आई जब हम अंग्रेजों के जुल्म सह रहे थे। हर तरफ निराशा का माहौल देखा जा सकता था । उन्होंने भारत के सोए हुए जनमानस को जगाया और उनमें नई उमंग का संचार किया।विवेकानंद वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बहुत महत्व देते थे। वह शिक्षा और ज्ञान को आस्था की कुंजी मानते हैं। विवेकानंद ने गरीबी को ईश्वर से जोडकर दरिद्रनारायण की अवधारणा दी ताकि इससे लोगों को वंचित वर्गों की सेवा के प्रति जागरूक किया जा सके और उनकी स्थिति में सुधार करने हेतु प्रेरित किया जा सके। महात्मा गांधी द्वारा सामाजिक रूप से शोषित लोगों को हरिजन शब्द से संबोधित किये जाने के वर्षों पहले ही स्वामी विवेकानंद ने दरिद्र नारायण शब्द का प्रयोग किया था जिसका आशय था कि गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। स्वामी विवेकानंद के उपदेशात्मक वचनों में कहते थे 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत । 'इसके माध्यम से उन्होंने देशवासियों को अंधकार से बाहर निकलकर ज्ञानार्जन की प्रेरणा दी थी। स्वामी विवेकानंद ने बार-बार कहा कि भारत के पतन का कारण धर्म नहीं है अपितु धर्म के मार्ग से दूर जाने के कारण ही भारत का पतन हुआ है जब जब हम धर्म को भूल गए तभी हमारा पतन हुआ है और धर्म के जागरण से ही हम पुनः नवोत्थान की और बढे हैं 7 वर्षों 1900 की शुरुआत में सेन फ्रांसिस्को में भी इसकी एक शाखा खोली।

ट्रंप के टैरिफ, वैश्विक व्यापार संधि को चुनौती

सनत जैन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था की बुनियाद को झकझोर कर रख दिया है। 'अमेरिका फर्स्ट' के नारे के तहत ट्रंप ने आयात शुल्क को अमेरिका का नीतिगत वैश्विक दादागिरी का हथियार बना दिया है। इसके दायरे में चीन, रूस, यूरोप के देश अथवा विकासशील सभी देश शामिल हैं। ट्रम्प की इस नीति ने केवल द्विपक्षीय व्यापार को नहीं, बल्कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की प्रासंगिकता को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। वैश्विक व्यापार संधि का मूल सिद्धांत, अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत सभी देशों के बीच में व्यापार करने की सुविधा थी। ट्रंप प्रशासन ने स्टील, एल्युमिनियम, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उत्पादों पर एक तरफा टैरिफ लगाकर वैश्विक व्यापार संधि के नियमों को खुली चुनौती दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर लगाए गए ये टैरिफ दरअसल अमेरिका के संरक्षणवाद और दादागिरी का नया चेहरा है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है, अमेरिका ने डब्ल्यूटीओ की विवाद निपटान प्रणाली को ही पंगु बना दिया है। अपीलीय निकाय में जजों की नियुक्ति को रोक कर सारे विश्व को यह संदेश दे दिया गया है। यदि फैसले अमेरिका के अनुकूल न हों, तो वह संस्थान ही निष्क्रिय कर दो। दुनिया के सभी देश अमेरिका की इस दादागिरी का विरोध भी नहीं कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप का यह रवैया वैश्विक व्यापार संधि की नियम-आधारित व्यवस्था से हटकर ताकत-आधारित व्यवस्था की ओर ढकेल रहा है। ट्रंप के टैरिफ के कारण वैश्विक आपूर्ति एवं लेन-देन की व्यवस्थाएं बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं। अमेरिका सहित दुनिया के देशों में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है। दुनिया के देशों में आर्थिक एवं सामरिक अनिश्चितता का माहौल बना है। विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है। क्योंकि वह न तो प्रतिशोधात्मक टैरिफ लगाने की स्थिति में हैं और ना हीं वैश्विक व्यापार संधि के नियमों के तहत उन्हें न्याय मिल पा रहा है। वैश्विक व्यापार संधि के नियमों के अनुसार त्वरित न्याय पाने की आशा भी पूरी तरह से खत्म हो गई है।

वैश्विक व्यापार संधि, जिसने सारी दुनिया के देशों को एक दूसरे से जोड़ने का काम किया था। वह व्यवस्था एक ऐसे चौराहे पर आकर खड़ी हो गई है। जहां पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दादागिरी देखने को मिल रही है। अमेरिका के एकाधिकार वाद ने बहुपक्षवाद की व्यवस्था को कड़ी चुनौती दी है। वैश्विक व्यापार संधि की संस्थाओं और नियमों का पालन नहीं होने के कारण सारी दुनिया के देश अधिनायकवाद की व्यवस्था से फिर एक बार जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। जो वैश्विक शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। दूसरी ओर राष्ट्रवादी संरक्षणवाद की दादागिरी की ट्रंप-नीति ने यह साफ कर दिया है, यदि सबसे शक्तिशाली देश नियम तोड़ने लगे, तो संस्थाएँ केवल कागज़ी बनकर रह जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद और अन्य वैश्विक संस्थाओं का लगभग यही हाल हैं। वैश्विक व्यापार सन्धि कुछ देशों की राजनीतिक इच्छाओं का बंधक बनकर रह जाएगी? या वैश्विक व्यापार संधि के नियमों में सुधार कर फिर से इसे वैश्विक स्तर पर प्रभावी बनाया जाएगा? इसकी जिम्मेदारी केवल अमेरिका की नहीं है। पूरी दुनिया के देशों की सामूहिक समझदारी एवं जिम्मेदारी पर ही वैश्विक व्यापार संधि का भविष्य निर्भर करता है। वैश्विक व्यापार संधि यदि टूटती है तो इसका असर विकासशील देशों पर तो पड़ेगा ही सारी दुनिया के देशों के लिए आर्थिक मंदी का खतरा भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा। वैश्विक व्यापार संधि लागू होने के बाद दुनिया के सारे देशों की सरकारें भारी कर्ज में हैं। आम नागरिक भी कर्ज के बोझ से दबे हुए हैं। वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से आर्थिक विकास रोजगार और सामाजिक विकास को बढ़ाने के लिए जो कर्ज की व्यवस्था शुरू की गई थी, उससे अब कोई भी नहीं बचा है। वैश्विक व्यापार संधि को कमजोर करना वैश्विक अर्थ व्यवस्था को कमजोर करना है।

क्या बैंकों में जमा पैसा सुरक्षित है?

ज्ञानु निगम

देश में समय-समय पर कर्ज़ माफी की घोषणाएं होती रही हैं। किसान ऋण माफी ओर कुछ खास क्षेत्रों के कर्ज़ पुनर्गठन को लेकर जब यह सवाल उठता है, बैंक द्वारा दिए गए लोन माफ कर दिए गए। इसको लेकर आम जनता के मन में एक स्वाभाविक चिंता पैदा होती है।क्या बैंकों में जमा आम लोगों का पैसा, खासकर बचत खाता और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), में सुरक्षित रहेगा?

बैंक आम जनता से जमा राशि लेते हैं। यही पैसा वे फिक्स्ड डिपॉजिट, बचत खाते और चालू खातों के रूप में स्वीकार करते हैं। इसी जमा राशि के आधार पर बैंक विभिन्न तरह के लोन देते हैं। होम लोन, पर्सनल लोन, गोल्ड लोन और उद्योगों को ऋण देते हैं। बैंक जमा राशि पर कम ब्याज देते हैं। लोन पर अधिक ब्याज वसूल करते हैं। इस ब्याज के अंतर की आय से ही बैंक संचालित होते हैं। जमाकर्ताओं को समय पर ब्याज और मूलधन लौटाते हैं। सरकारी क्षेत्र के बैंक राष्ट्रीयकृत बैंक हैं। आम जनता इन पर भरोसा करती है।

सरकार और बैंकों ने पिछले कुछ वर्षों में कारपोरेट जगत के लगभग 16 लाख करोड़ के लोन बट्टे खाते में डाले हैं। बैंकों ने शेयर बाजार में भी भारी निवेश किया है। उद्योग जगत को लोन सबसे ज्यादा दिया है। इससे लोगों में आशंका है, यदि शेयर बाजार में गिरावट आई, तो बैंकों में जमा उनका पैसा सुरक्षित रहेगा या नहीं।

जब किसी वर्ग विशेष का लोन माफ किया जाता है। यह अक्सर 'पूर्ण माफी' नहीं होती है। अधिकतर मामलों में सरकार उस लोन की भरपाई बैंकों को सरकारी खजाने से करती है। सरकार बैंकों को जो राशि देती है। जिससे बैंक मैं जमा राशि पर कोई सीधा असर न पड़े। जमाकर्ताओं का पैसा सुरक्षित रहे। इसलिए आम जमाकर्ताओं की जमा राशि पर इसका सीधा खतरा आमतौर पर नहीं होता है।

यदि कोई बैंक बड़े पैमाने पर खराब कर्ज़ (एनपीए) से जूझ रहा हो। सरकार या रिज़र्व बैंक समय पर हस्तक्षेप न करे। तब जोखिम बढ़ सकता है। बैंक भी कंपनी एक्ट के अंतर्गत काम कर रहे हैं। इनके ऊपर भी दिवालिया कानून लागू होता है। इसी जोखिम को कम करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) बैंकों पर सख्त निगरानी रखता है। इसके अलावा, डिपॉजिट पर इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन (डीआइसीजीसी) के तहत हर जमाकर्ता को प्रति बैंक 5 लाख रुपये तक की जमा राशि की बीमा सुरक्षा प्राप्त है।

बीमा कंपनियों और बैंकों के निवेश को लेकर समय समय पर सवाल उठते हैं। यह सही है,बैंक, बीमा कंपनियां जमा पैसा शेयर बाजार और अन्य निवेश माध्यमों में लगाती हैं। यह निवेश सख्त नियमों और जोखिम प्रबंधन के तहत होते हैं। बैंकों की जमा राशि सीधे शेयर बाजार में नहीं लगाई जाती है। इस तरह की निवेश पर रिजर्व बैंक और सरकार का नियंत्रण रहता है। सुरक्षित और नियामकीय ढांचे के भीतर शेयर बाजार में निवेश होता है। राष्ट्रीयकृत बैंकों में सबसे ज्यादा निवेश सरकार का होता है। ऐसी स्थिति में सरकार की भी जिम्मेदारी होती है।

स्वामी विवेकानन्द का विचार दर्शन युवाओं के लिए पथप्रदर्शक : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वामी विवेकानन्द की जयन्ती के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी हैं। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द महान आध्यात्मिक विचारक, दार्शनिक और ओजस्वी वक्ता थे, जिनका जीवन और विचार आज भी समाज, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणा का अमूल्य स्रोत हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय दर्शन, संस्कृति और आध्यात्मिक परम्पराओं को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनके विचारों ने न केवल भारत, बल्कि सम्पूर्ण विश्व को मानवता, सेवा और आत्मविश्वास का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं को स्वामी विवेकानन्द का सबसे बड़ा अनुयायी बताते हुए कहा कि स्वामी जी का सम्पूर्ण जीवन युवाशक्ति को जागृत करने और राष्ट्रनिर्माण की दिशा में प्रेरित करने के लिए समर्पित रहा।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने अपने बौद्धिक विचारों और ओजस्वी वाणी के माध्यम से युवाओं में आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना का संचार किया। उनका अमर संदेश – 'उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत' – आज भी युवाओं के लिए मार्गदर्शक मंत्र की तरह है, जो कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है। आत्मनिर्भर, सशक्त और चरित्रवान भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज के युवा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, खेल, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक सेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि युवाओं की सकारात्मक सोच और कर्मठता से भारत वैश्विक मंच पर नई ऊँचाइयों को छू रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने प्रदेश के युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानन्द के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करें और अपनी ऊर्जा का सकारात्मक एवं रचनात्मक उपयोग करते हुए राष्ट्र और प्रदेश के विकास में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि सेवा, समर्पण और राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ किया गया प्रत्येक प्रयास देश की प्रगति को नई दिशा देता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों से भी आग्रह किया कि वे स्वामी विवेकानन्द के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए सामाजिक समरसता, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने में अपना योगदान दें।

एक नजर

सेवारत सैनिकों के परिजनों को स्थानांतरण अधिनियम में छूट देने की मांग को लेकर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से मुलाकात करते पूर्व सैनिक

पथ प्रवाह, देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से आज उनके कैंप कार्यालय में सेवारत पूर्व सैनिकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेशभर में सेवारत पूर्व सैनिकों को स्थानांतरण में छूट प्रदान किए जाने के संबंध में एक पत्र सौंपा। हल्द्वानी से आए प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सेवारत पूर्व सैनिक अत्यंत दुर्गम क्षेत्रों में वर्षों तक सेवा देने के बाद सैन्य सेवा से सेवानिवृत्त होते हैं। इसके उपरांत जब वे राज्य सरकार की सेवा में आते हैं, तो उन्हें पुनः 15 से 20 वर्षों तक दुर्गम क्षेत्रों में ही सेवाएं देनी पड़ती हैं, जबकि उन्हें कभी भी सुगम क्षेत्र में सेवा का अवसर नहीं मिल पाता। उन्होंने इस स्थिति को देखते हुए स्थानांतरण अधिनियम 2017 में आवश्यक संशोधन किए जाने की मांग की। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि सेवारत पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान हेतु सरकार संवेदनशीलता के साथ विचार करेगी। उन्होंने कहा कि इस विषय में शीघ्र आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान बलवंत सिंह गैड़ा, शमशेर सिंह, दिनेश चंद्र, सुरेंद्र सिंह भंडारी, दीपेंद्र चंद्र, दलीप सिंह रावत, गोविंद सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मसूद अजहर ने हजारों आत्मघाती हमलावरों के तैयार रहने का दावा किया

नई दिल्ली। प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के प्रमुख मसूद अजहर की कथित एक नई ऑडियो रिकॉर्डिंग ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है। इंटरनेट पर वायरल इस वीडियो ने लोगों में आक्रोश भर दिया है। इस भयावह ऑडियो चेतावनी में कुख्यात आतंकवादी ने भारत में घुसपैठ करने और आतंकी हमले करने के लिए हजारों आत्मघाती हमलावरों के तैयार रहने का दावा किया है। गौरतलब है कि मसूद अजहर संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी है और लंबे समय से पाकिस्तान की धरती से भारत के खिलाफ आतंकी हमलों की साजिश रच रहा है और जहर उगल रहा है। वायरल हो चुकी इस ऑडियो क्लिप में मसूद अजहर को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि एक हजार से अधिक आत्मघाती हमलावर किसी भी समय हमला करने के लिए तैयार हैं, जिनका मुख्य लक्ष्य भारत है। आतंकी ने यह भी दावा किया है कि अगर वह बमवर्षकों की वास्तविक संख्या का खुलासा करता है, तो इससे वैश्विक समुदाय सदमे में आ जाएगा। ऑडियो में आतंकी बोल रहा है कि ये (आत्मघाती हमलावर) एक नहीं, दो नहीं, 100 नहीं, ये 1,000 भी नहीं, अगर पूरी संख्या बता दूं, तो कल दुनिया की मीडिया में हंगामा मच जाएगा। वह आगे कहता है कि उसके योद्धा जीवन के भौतिक सुख-सुविधाओं से प्रेरित नहीं हैं और अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए शहादत देने को तैयार हैं। ऑडियो रिकॉर्डिंग की तारीख और प्रामाणिकता की अभी तक स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है।

ससुराल वालों के तानों से क्षुब्ध महिला दो बेटियों के साथ तालाब में कूदी, तीनों की मौत

बहराइच । बहराइच जिले में पयागपुर थाना क्षेत्र के कोट बाजार में पुत्र न होने पर पति और ससुराल वालों के कथित तानों से क्षुब्ध होकर एक महिला अपनी दो बेटियों के साथ तालाब में कूद गई, जिससे तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। शिवपुर बाजार निवासी रामचंद्र गुप्ता की पुत्री निशा का विवाह पयागपुर क्षेत्र के कोटबाजार निवासी विष्णु के साथ कई वर्ष पूर्व हुआ था। विष्णु एवं निशा की दो, सात एवं 10 वर्षीय तीन पुत्रियां थीं। निशा की अपने पति एवं ससुराल वालों से अनबन रहती थी। निशा के पिता रामचंद्र का आरोप है कि उसकी पुत्री को उसका पति एवं सास-ससुर पुत्र ना होने का ताना मारते थे और वह इस बात को लेकर क्षुब्ध थी। निशा के पिता ने अपने बेटी के ससुराल वालों पर दहेज के लिए उसे प्रताड़ित करने का भी आरोप लगाया। शनिवार शाम निशा (42) अपनी दो पुत्रियों मिस्टी (सात) एवं खुशबू (दो) के साथ गांव के बाहर गहरे तालाब में कूद गई। पुलिस ने गोताखोरों की सहायता से शनिवार रात तालाब से तीनों के शव बाहर निकाले। मृतक के पिता की तहरीर पर निशा के पति एवं सास-ससुर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 85 (घरेलू हिंसा व क्रूरता), धारा 108 (आत्महत्या के लिए प्रेरित करना) तथा 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश शुरू की गई है।

अंकिता भंडारी प्रकरण में सीबीआई जांच की संस्तुति पर मुख्यमंत्री का जताया आभार

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में राज्य के वरिष्ठ नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल, विधायक खजान दास, किशोर उपाध्याय, सहदेव पुंडीर, सविता कपूर, आशा नौटियाल, रेनू बिष्ट, बृजभूषण गैरोला एवं शक्तिलाल शाह ने अंकिता भंडारी प्रकरण में सीबीआई जांच की संस्तुति प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया।

भेंट के दौरान नेताओं ने कहा कि राज्य सरकार ने इस संवेदनशील और जनभावनाओं से जुड़े मामले में लिया गया निर्णय न्याय की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि सीबीआई जांच से पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद और अधिक मजबूत हुई है तथा प्रदेश की जनता में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार कानून व्यवस्था और न्याय के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य पीड़ित को न्याय दिलाना और दोषियों को कठोरतम सजा सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया है और आगे भी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ कार्य किया जाएगा।

नशे की लत ने युवक को बनाया चोर, पुलिस ने बना दिया मोर

पथ प्रवाह, देहरादून।

पटेलनगर क्षेत्र में हुई नकदी व ज्वैलरी चोरी की घटना का दून पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से चोरी की गई लगभग दो लाख रुपये मूल्य की ज्वैलरी भी बरामद की है। आरोपी नशे का आदी बताया जा रहा है, जिसने नशे की पूर्ति के लिए वारदात को अंजाम दिया था।

कोतवाली पटेलनगर क्षेत्र निवासी वादी मौहम्मद नफीस पुत्र मौहम्मद अयूब, निवासी कन्हैया विहार पटेलनगर, देहरादून द्वारा थाने में दी गई लिखित तहरीर के आधार पर अज्ञात अभियुक्त के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 619/2025 धारा 305(ए) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर पुलिस टीम का गठन किया गया।

पुलिस टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया तथा आसपास और आने-जाने वाले मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। एकत्रित जानकारियों के आधार पर 11 जनवरी 2026 को चन्द्रबनी चौक से वाइल्डलाइफ की ओर जाने वाले मार्ग पर चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त फईम पुत्र आसिफ निवासी कारगी ग्रान्ट, बंजारावाला, थाना पटेलनगर, देहरादून, उम्र 24 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से वादी के घर से चोरी की गई लगभग दो लाख रुपये मूल्य की ज्वैलरी बरामद की है। पूछताछ में अभियुक्त ने स्वीकार किया कि वह नशे का आदी है और नशे की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उसने चोरी की घटना को अंजाम दिया।

आरोपी को गिरफ्तार करने में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली पटेलनगर चन्द्रभान सिंह के नेतृत्व में अपर उप निरीक्षक सर्वेश कुमार, कांस्टेबल प्रदीप कुमार एवं कांस्टेबल वीरेंद्र ग्वाल शामिल रहे।

हरिद्वार पुलिस का अभियान, बहादराबाद पुलिस ने किया 200 लोगों का सत्यापन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

एसएसपी हरिद्वार के निर्देश पर पूरे जनपद में रविवार को विशेष सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत थाना पुलिस डोर टू डोर जाकर किरायेदारों, फड़ ठेली लगाने वाले और मजदूरों का सत्यापन कर रही है। इसी क्रम में बहादराबाद पुलिस ने 200 लोगों का सत्यापन किया। बहादराबाद पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत निवासरत बाहरी प्रदेशों से आए कर्मचारी, मजदूर, फड़-ठेली एवं गुड़-चर्खी वालों के सत्यापन के लिए अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया। इस दौरान कस्बा बहादराबाद क्षेत्र में विशेष सत्यापन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत बिना सत्यापन निवास कर रहे लगभग 200 व्यक्तियों का मौके पर ही सत्यापन किया गया। साथ ही बिना सत्यापन किरायेदार रखने वाले 7 मकान मालिकों के विरुद्ध धारा 83 पुलिस एक्ट के अंतर्गत 10–10 हजार रुपये के कोर्ट चालान किये गए। थाना पुलिस ने सभी मकान मालिकों से अपील की है कि वह किरायेदार रखने से पहले उसका सत्यापन जरूर कराएं। बिना सत्यापन किरायेदार रखने पर उनके खिलाफ पुलिस एक्ट में कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने ये भी कहा कि यदि किसी व्यक्ति को अपने आसपड़ोस में रहने वाले व्यक्ति की कोई गतिविधि संदिग्ध लगती है तो उसकी सूचना भी पुलिस को जरूर दें।

पारंपरिक मेले हमारी सांस्कृतिक विरासत के सशक्त वाहक : रेखा आर्या

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में आयोजित होने वाले पारंपरिक मेले हमारी समृद्ध लोकसंस्कृति, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक विरासत के सशक्त वाहक हैं। ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने के साथ-साथ हमारी सांस्कृतिक पहचान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का कार्य करते हैं।' यह बात कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने अल्मोड़ा जनपद के कटारमल स्थित ऐतिहासिक सूर्य मंदिर परिसर में आयोजित सूर्य पर्व मेले के अवसर पर कही।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य रविवार को कटारमल सूर्य मंदिर में प्रतिवर्ष पौष माह के अंतिम रविवार को आयोजित होने वाले पारंपरिक सूर्य पर्व मेले में शामिल हुईं। इस मेले में दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, स्थानीय नागरिक एवं पर्यटक पहुंचे, जिससे पूरे

क्षेत्र में सांस्कृतिक उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

रेखा आर्या ने कहा कि कटारमल सूर्य मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह उत्तराखंड की ऐतिहासिक और स्थापत्य विरासत का भी महत्वपूर्ण प्रतीक है। उन्होंने बताया कि सड़क, संचार और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के बाद यह स्थल तेजी से एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा शीघ्र ही कटारमल सूर्य मंदिर के सौंदरीकरण एवं संरक्षण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा, जिसके लिए बजट स्वीकृत हो चुका है। इस कार्य से मंदिर परिसर का संरक्षण सुनिश्चित होगा और श्रद्धालुओं व पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार राज्य के सभी प्रमुख धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण, सौंदरीकरण एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। यह प्रयास 'विकास भी - विरासत भी' की अवधारणा को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम है।

रेखा आर्या ने कहा कि वर्तमान सरकार रोजगार सृजन, जनहित में साहसिक निर्णय लेने और उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित एवं संवर्धित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार की प्राथमिकता है कि विकास के साथ-साथ प्रदेश की परंपराएं और विरासत भी सुरक्षित रहें।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने मंदिर परिसर में विधिवत पूजन एवं हवन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष हेमा गैड़ा, ब्लॉक प्रमुख हवालबाग हिमानी कुंडू, उपजिलाधिकारी संजय कुमार, ग्राम प्रधान कटारमल उमा देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, स्थानीय नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एक नजर

ज्ञानवापी मस्जिद में वजूखाने की एएसआई सर्वे की मांग पर होगी सुनवाई

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद में वजूखाने की एएसआई सर्वे की मांग में दायर अर्जी पर सुनवाई टल गई है। अब इस केस में 12 जनवरी को सुनवाई होगी। सोमवार को वैज्ञानिक सर्वे कराने की मांग को लेकर दाखिल राखी सिंह की पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई होनी थी। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने सुप्रीम कोर्ट के स्थगनादेश के कारण सुनवाई टालते हुए दिया। राखी सिंह के अधिवक्ता सौरभ तिवारी ने कोर्ट को बताया कि 12 दिसंबर 2024 का स्थगन आदेश अब भी प्रभावी है। इस स्थगन आदेश में किसी भी न्यायालय को किसी भी तरह के अंतरिम या अंतिम सर्वे का निर्देश देने पर रोक लगाई गई है। आदेश को दी गई थी चुनौती : अंजुमन इंतजामिया मसाजिद की ओर से बताया गया कि ज्ञानवापी प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। इस पर कोर्ट ने यहां सुनवाई के लिए 12 जनवरी की तारीख लगा दी है। पुनरीक्षण याचिका में वाराणसी के जिला जज के 21 अक्टूबर 2023 के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें एएसआई को वजूखाना क्षेत्र का सर्वे करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया गया था।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे समृद्धि यात्रा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 16 जनवरी से यात्रा पर निकलने वाले हैं। उनकी इस यात्रा का नाम समृद्धि यात्रा होगा। मुख्यमंत्री की 'जिलावार समृद्धि यात्रा को लेकर बड़ा आदेश जारी किया गया है। 16 जनवरी 2026 से सीएम जिलावार दौरा करेंगे। सभी जिलाधिकारी, एसपी, प्रमंडलीय आयुक्त को अलर्ट पर रहने के लिए कहा गया है। सीएम इस दौरान योजनाओं का स्थल निरीक्षण करेंगे और शिलान्यास-उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस दौरान जन संवाद और जिला स्तरीय समीक्षा बैठक भी होगी। इसमें सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री सचिवालय विभाग ने निर्देश जारी किया है।

सुवेंदु को इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वे जनता के बीच लोकप्रिय हैं – भाजपा

कोलकाता। बंगाल के भाजपा विधायक पार्थसारथी चट्टोपाध्याय ने सुवेंदु अधिकारी पर हमले को लेकर कहा कि यह पहली बार नहीं है। इससे पहले भी सुवेंदु अधिकारी को दो बार जान से मारने की कोशिश की गई थी। यह ममता बनर्जी द्वारा उन्हें जान से मारने का प्रयास था। विपक्ष के नेता को इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वे जनता के बीच लोकप्रिय हो गए हैं। इसलिए वे उनकी आवाज दबाना चाहते हैं। बंगाल की जनता विधानसभा चुनाव में इसका जवाब देगी। साथ ही उन?होंने कहा कि ममता बनर्जी यह भूल गई हैं कि वह राज्य की मुखिया हैं, लेकिन विपक्ष की नेता की तरह व्यवहार कर रही हैं।

सोनिया गांधी को सर गंगाराम अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की तबीयत अब ठीक हो चुकी है। करीब एक सप्ताह तक दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में चले इलाज के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। सीने में संक्रमण के कारण और अस्थमा की समस्या बढ़ने पर सोनिया गांधी को अस्पताल में भर्ती किया गया था। रविवार को एक हफ्ते बाद सोनिया गांधी को अस्पताल से छुट्टी मिली है। सोनिया गांधी को 5 जनवरी की शाम को सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उनका इलाज डॉ। अरूप बसु सीनियर चेस्ट मेडिसिन विशेषज्ञ की देखरेख में किया गया। अस्पताल के चेयरमैन डॉ। अजय स्वरूप के अनुसार, उन्होंने इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दी है। उनकी हालत में काफी सुधार हुआ है। बताया गया कि रविवार शाम करीब 5 बजे सोनिया गांधी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

डॉक्टरों ने उन्हें घर पर रहकर इलाज जारी रखने की सलाह दी है। सर गंगाराम अस्पताल ने रविवार को सोनिया गांधी का हेल्थ अपडेट जारी करते हुए बताया कि उनको 5 जनवरी 2026 की शाम को डॉ। अरूप बसु (सीनियर कंसल्टेंट चेस्ट मेडिसिन) की निगरानी में भर्ती कराया गया था। उनका इलाज छाती में संक्रमण के कारण ब्रोंकियल अस्थमा के बिगड़ने पर किया गया। सर गंगाराम अस्पताल के प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ। अजय स्वरूप के अनुसार, इलाज के प्रति उनकी प्रतिक्रिया अच्छी रही और वे स्वस्थ हो रही हैं। उन्हें आज शाम 5 बजे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और आगे का इलाज घर पर जारी रखने की सलाह दी गई है।

मेला भूमि पर अतिक्रमण पर सख्त हुआ सिंचाई विभाग, बैरागी कैम्प में जल्द चलेगा हटाओ अभियान

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

यूपी बैरागी कैम्प मेला आरक्षित भूमि पर वर्षों से बसे अतिक्रमणकारियों के खिलाफ अब यूपी सिंचाई विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। विभाग द्वारा शीघ्र ही अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। हाल के दिनों में सरकारी भूमि पर अवैध धार्मिक संरचनाओं को ध्वस्त करने की कार्रवाई के बाद यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इसी क्रम में यूपी सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता विकास त्यागी ने बैरागी कैम्प क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेला आरक्षित भूमि पर किए गए अवैध निर्माणों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिशासी अभियंता ने विभागीय सहायक अभियंता भारत भूषण शर्मा को अतिक्रमण चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विकास त्यागी ने कहा कि बैरागी कैम्प मेला आरक्षित भूमि यूपी सिंचाई विभाग के

स्वामित्व की सरकारी भूमि है, जिस पर अनाधिकृत रूप से कब्जा कर निर्माण किया गया है। ऐसे सभी अतिक्रमणकारियों के खिलाफ पहले चरण में नोटिस जारी किए जाएंगे। नोटिस में तय समयावधि के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि यदि निर्धारित अवधि के भीतर अतिक्रमणकारियों द्वारा स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो यूपी सिंचाई विभाग स्थानीय प्रशासन के सहयोग से सख्ती के साथ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करेगा। इसके साथ ही नियमों के तहत अतिक्रमणकारियों से जुर्माना राशि की वसूली भी की जाएगी।

अधिशासी अभियंता ने कहा कि मेला भूमि धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक आयोजनों के लिए आरक्षित है, ऐसे में इसका संरक्षण बेहद आवश्यक है। सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर उसकी मूल स्थिति बहाल करना विभाग की प्राथमिकता है। इस कार्रवाई से जहां एक ओर मेला क्षेत्र का स्वरूप सुरक्षित रहेगा, वहीं दूसरी ओर भविष्य में अवैध कब्जों पर भी प्रभावी रोक लग सकेगी।

'गुजरात रिलायंस का हृदय है' – मुकेश अंबाणी का 7 लाख करोड़ निवेश का संकल्प

राजकोट। वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस - कच्छ एवं सौराष्ट्र में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबाणी ने गुजरात के लिए पाँच बड़ी एवं महत्वपर्ण घोषणाएँ की हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में अंबाणी ने कहा कि रिलायंस गुजरात की पहचान है और गुजरात रिलायंस का हृदय है। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के विकास के लिए रिलायंस की कटिबद्धता को संकल्प के रूप में घोषित किया।

रिलायंस अब तक गुजरात में सबसे बड़ा निवेशक रहा है। पिछले पाँच वर्ष में कंपनी ने 3.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है, जिसे आगामी पाँच वर्ष में दुगुना कर 7 लाख करोड़ रुपए किया जाएगा, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

(1) जामनगर में विश्व का सबसे बड़ा एकीकृत ग्रीन एनर्जी इकोसिस्टम बनाया गया जा रहा है, जिसमें सोलर, ग्रीन हाइड्रोजन तथा सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल जैसे उद्योगों का समावेश होगा। जामनगर अब हाइड्रोकार्बन के स्थान पर ग्रीन एनर्जी का बड़ा निर्यातक बनेगा।

(2) कच्छ में मल्टी-गीगावाट क्षमता वाला सोलर प्रोजेक्ट स्थापित किया जाएगा, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

(3) जामनगर में भारत का सबसे बड़ा एआई-रेडी डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा। जियो द्वारा एक विशेष इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म लॉन्च किया जाएगा, जिसका प्रारंभ गुजरात से होगा। इससे आम नागरिक अपनी भाषा में एआई सेवा का उपयोग कर सकेगा।

(4) प्रधानमंत्री के 2036 में अहमदाबाद में ओलंपिक लाने के विजन को समर्थन देने के लिए रिलायंस फाउंडेशन गुजरात सरकार के साथ जुड़ेगा। नारणपुरा स्थित वीर सावरकर मल्टी-स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का संचालन रिलायंस संभालेगा।

(5) सौराष्ट्र के जामनगर में विश्व स्तरीय अस्पताल की स्थापना की जाएगी और शिक्षा क्षेत्र में सुविधाओं का दायरा बढ़ाया जाएगा।

मुकेश अंबाणी ने कहा कि भारत आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व की एक बड़ी शक्ति बन रहा है और यह भारत का निर्णायक दशक है।

अदाणी पोर्ट तथा स्पेशल इकोनॉमिक जोन के एमडी करण अदाणी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है। उनके मार्गदर्शन में कच्छ सबसे बड़ा एनर्जी हब बना है। अदाणी ग्रुप के लिए मुंद्रा कर्मभूमि है तथा सोलर मैन्युफैक्चरिंग के लिए मुंद्रा महत्वपूर्ण सेंटर बना है। अदाणी ग्रुप विश्व का सबसे बड़ा एनर्जी पार्क मुंद्रा में बना रहा है, जो 37 गीगाबाइट का एनर्जी पार्क बनेगा। उन्होंने जोड़ा कि कच्छ के मुंद्रा में आगामी पाँच वर्ष के दौरान अदाणी ग्रुप द्वारा 1.50 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा तथा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत@2047 के सपने को यह ग्रुप साकार करने के लिए सतत उनके साथ रहेगा।

ज्योति सीएनसी के चेयरमैन पराक्रमसिंह जाडेजा ने राजकोट की धरा पर आयोजित हुई वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस प्रधानमंत्री के विकसित भारत@2047 के सपने को साकार करने वाली समिट है। वाइब्रेंट समिट के माध्यम से गुजरात देश का ग्रोथ इंजन बना है। यह कोई बिजनेस कॉन्फ्रेंस नहीं, बल्कि विकसित भारत का विजन अब क्षेत्र, जिला, स्थानीय औद्योगिक इकोसिस्टम तक पहुँच रहा होने का संकेत है।

विश्व में आज अस्थिरतापूर्ण माहौल के बीच भी भारत देश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दृढ़ एवं स्थिर बनकर खड़ा है और आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा ध्येय बहुत ही स्पष्ट है कि मैन्युफैक्चरिंग केवल बिजनेस नहीं है, बल्कि हमारी जिम्मेदारी है। हमारी कंपनी आगामी पाँच वर्ष में 10 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगी। एयरोस्पेस तथा डिफेंस सेक्टर को भी मशीनरी प्रदान करने के लिए ज्योति सीएनसी तत्पर है। आत्मनिर्भर भारत के लिए हम सब साथ मिलकर इस उम्दा कार्य को आगे बढ़ाने का अभियान चलाएंगे।

शिवालिक गंगा विहार में पहली बार बनीं पक्की सड़कें, नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने किया लोकापर्ण

पथ प्रवाह, हरिद्वार

नगर पालिका शिवालिक नगर द्वारा नवोदय नगर वार्ड संख्या 13 अंतर्गत शिवालिक गंगा विहार कॉलोनी की गली संख्या 6 एवं गली संख्या 9 में कराए गए पक्की सड़कों के निर्माण कार्य का विधिवत लोकापर्ण नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने किया। लोकापर्ण के साथ ही इन सड़कों को क्षेत्र की जनता को समर्पित किया गया, जिससे वर्षों से चली आ रही आवागमन की समस्या का स्थायी समाधान हो सका है।

शिवालिक गंगा विहार कॉलोनी की इन गलियों में स्थापना के बाद पहली बार पक्की सड़कों का निर्माण किया गया है। अब तक क्षेत्रवासी कच्चे रास्तों पर चलने को मजबूर थे। बरसात के मौसम में कीचड़, गर्मियों में उड़ती धूल और साल भर खराब रास्तों के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना

करना पड़ता था। विशेष रूप से स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और आपातकालीन सेवाओं के लिए स्थिति अत्यंत कठिन बनी रहती थी। सड़क निर्माण न होने से एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और अन्य आवश्यक सेवाओं की पहुंच भी प्रभावित होती थी। अब पक्की सड़कों के निर्माण से क्षेत्रवासियों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। स्थानीय लोगों में इस विकास कार्य को लेकर विशेष उत्साह और संतोष देखा गया।

लोकापर्ण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि नगर पालिका शिवालिक नगर का संकल्प है कि कोई भी वार्ड विकास से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि नवोदय नगर वार्ड संख्या 13 की गली संख्या 6 एवं 9 में पक्की सड़कों का निर्माण कर वर्षों पुरानी समस्या का समाधान किया गया है। नगर पालिका का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है।

उन्होंने आगे कहा कि नगर क्षेत्र में सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। आने वाले समय में शिवालिक नगर के प्रत्येक वार्ड में व्यापक और संतुलित विकास कार्य कराए जाएंगे। नगर पालिका अध्यक्ष ने जनता के विश्वास और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

क्षेत्रवासियों ने पहली बार पक्की सड़कों की सौगात मिलने पर नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा एवं नगर पालिका प्रशासन का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी प्रकार विकास कार्यों की अपेक्षा जताई।

इस अवसर पर सभासद दीपक नौटियाल, मंडल अध्यक्ष कैलाश भंडारी, श्वेता सिंह, भानु प्रताप सिंह, अवधेश राय, रितु ठाकुर, भागेश्वरी, दीपा सिंह, रीना नेगी, नीलम रावत, संदीप मैथानी, अंशुल शर्मा, देव विख्यात भाटी, सुधांशु, मदनेस मिश्रा, जटाशंकर श्रीवास्तव, दिनेश चंद्रा, पवन सैनी, रामनिवास गुजर, निरज प्रेमी, शैलेन्द्र, कपिल कठैत, प्रवीण चमोली, दिनेश सिंह, विवेक कुमार, प्रदीप सहित पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर

इंस्टाग्राम के 1.75 करोड़ यूजर्स का डेटा लीक

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के 1.75 करोड़ से ज्यादा यूजर्स का पर्सनल डेटा लीक हो गया है। ये जानकारी साइबर क्रिमिनल्स के हाथ लग गई है। एंटीवायरस सॉफ्टवेयर फर्म मालवेयरबाइट्स की रिपोर्ट के मुताबिक लीक डेटा में यूजरनेम, घर का पता, फोन नंबर, ईमेल एड्रेस जैसी चीजें शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि ये डेटा डार्क वेब पर बिक रहा है और इससे फिशिंग या अकाउंट हैकिंग जैसे खतरे बढ़ सकते हैं। मालवेयरबाइट्स ने अपने कस्टमर्स को ईमेल में बताया कि ये लीक उनकी रूटीन डार्क वेब स्कैन में पकड़ा गया। ये 2024 में इंस्टाग्राम के एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस, जो ऐप्स को एक-दूसरे से कनेक्ट करता है से जुड़ा है। कंपनी ने कहा कि इस डेटा से साइबर क्रिमिनल्स यूजर्स को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

गांव में हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

जयपुर। जयपुर में एक हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। हेलिकॉप्टर जयपुर से भोपाल (मध्य प्रदेश) जा रहा था। प्राइवेट कंपनी के हेलिकॉप्टर में सवार पायलट और को-पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई। घटना रविवार सुबह करीब 11 बजे की जयपुर ग्रामीण के रायसर के पास स्थित वामनवाटी गांव की है। एवन हेलिकॉप्टर कंपनी के डायरेक्टर सोहन सिंह नाथावत ने बताया- हेलिकॉप्टर देहरादून (उत्तराखंड) से शनिवार शाम 4:30 बजे जयपुर पहुंचा था। इसके बाद हेलिकॉप्टर में फ्यूल रिफ्यूलिंग की प्रक्रिया पूरी की गई। रविवार को मौसम साफ होने के बाद हेलिकॉप्टर ने सुबह 11:02 बजे जयपुर में चौमूं के मलिकपुर स्थित हेलीपैड से भोपाल के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई।

गांव में हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

जयपुर। जयपुर में एक हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। हेलिकॉप्टर जयपुर से भोपाल (मध्य प्रदेश) जा रहा था। प्राइवेट कंपनी के हेलिकॉप्टर में सवार पायलट और को-पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई। घटना रविवार सुबह करीब 11 बजे की जयपुर ग्रामीण के रायसर के पास स्थित वामनवाटी गांव की है। एवन हेलिकॉप्टर कंपनी के डायरेक्टर सोहन सिंह नाथावत ने बताया- हेलिकॉप्टर देहरादून (उत्तराखंड) से शनिवार शाम 4:30 बजे जयपुर पहुंचा था। इसके बाद हेलिकॉप्टर में फ्यूल रिफ्यूलिंग की प्रक्रिया पूरी की गई। रविवार को मौसम साफ होने के बाद हेलिकॉप्टर ने सुबह 11:02 बजे जयपुर में चौमूं के मलिकपुर स्थित हेलीपैड से भोपाल के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई।

उद्धव गुट के पूर्व विधायक ने पार्टी छोड़ी

मुंबई। उद्धव गुट के शिवसेना नेता और पूर्व विधायक दगडू सकपाल ने पार्टी छोडक़र एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। यह कदम उन्होंने बीएमसी चुनावों से पहले उठाया है। सकपाल ने रविवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना जॉइन की। इससे पहले गुरुवार को महाराष्ट्र के अंबरनाथ नगर परिषद के 12 निलंबित कांग्रेस पार्षद भाजपा में शामिल हुए थे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने भाजपा पर गंदी और सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा जनहित के अहम मुद्दों को सुलझाने में विफल रही है। राज्य में 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे। इनमें मुंबई, पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ शामिल हैं। मतगणना 16 जनवरी को होगी।

न्यूजीलैंड में नगर कीर्तन का विरोध

जालंधर। न्यूजीलैंड में एक बार फिर सिख नगर कीर्तन का विरोध किया गया है। 20 दिन के अंदर ये दूसरी बार है। हालांकि इस बार नगर कीर्तन को रोका नहीं गया। इसके खिलाफ डेस्टिनी चर्च से जुड़े ब्रायन टमाकी के समूह ने सडक़ों पर उतरकर हाका डांस किया। टमाकी और उनके समर्थकों ने नारे लगाए। उन्होंने कहा कि ये किसकी गलियां हैं, हमारी गलियां हैं। यहां पर सरेआम तलवारें और झंडे लहराने की इजाजत किसने दी। हम अपने कल्चर को इस तरह से बर्बाद नहीं होने देंगे। हम किसी को भी अपनी सडक़ों और गलियों का इस्तेमाल हमारे देश के कल्चर को बिगाडऩे के लिए नहीं देंगे। उधर, सिख युवकों ने टमाकी के हाका डांस के बावजूद शांतिपूर्ण ढंग से नगर कीर्तन निकाला। करीब 20 दिन पहले भी साउथ ऑकलैंड के उपनगर मनुरेवा में भी ब्रायन टमाकी समर्थकों ने हाका किया था। इस दौरान नगर कीर्तन को रोक लिया गया था। पुलिस ने बीच-बचाव कर हाका खत्म करवाया था।

पाबौ में उत्तराखंड बंद का दिखा व्यापक असर, बाजार रहे पूरी तरह बंद

पथ प्रवाह, पाबौ।

अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की निगरानी में कराए जाने की मांग को लेकर सामाजिक संगठनों द्वारा किए गए उत्तराखंड बंद का पाबौ क्षेत्र में व्यापक असर देखने को मिला। बंद के आह्वान के चलते पाबौ सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से ही बाजार पूरी तरह बंद रहे, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा। सड़कों पर अन्य दिनों की तुलना में सन्नाटा पसरा रहा और अधिकांश व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के शटर बंद दिखाई दिए।

बंद के दौरान व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर सामाजिक संगठनों के आह्वान का समर्थन किया। स्थानीय लोगों ने भी बंद को नैतिक समर्थन देते हुए आवश्यक कार्यों को टालना उचित समझा। हालांकि, आवश्यक सेवाओं को ध्यान में रखते हुए मेडिकल स्टोर खुले रहे, ताकि मरीजों और जरूरतमंदों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके अलावा, शराब की दुकानें भी इस दौरान संचालित होती रहीं, जिसे लेकर कुछ लोगों में

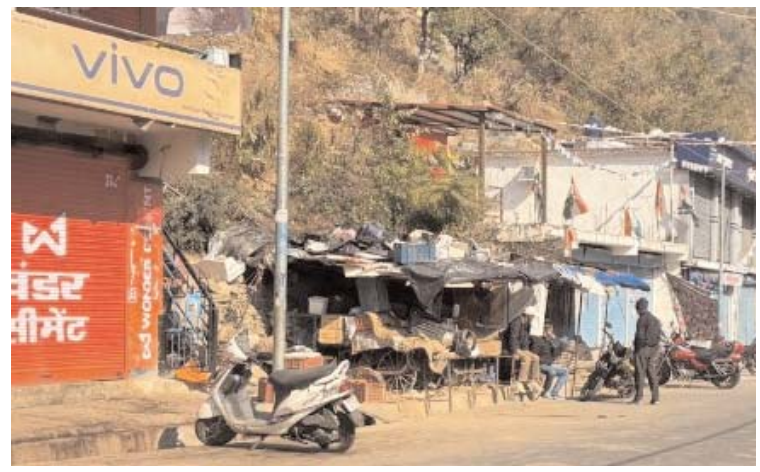

नाराजगी भी देखी गई। बंद का आह्वान करने वाले सामाजिक संगठनों का कहना है कि अंकिता भंडारी हत्याकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है और अब जनता निष्पक्ष, स्वतंत्र व पारदर्शी जांच चाहती है। संगठनों का स्पष्ट मत है कि इस मामले में सच्चाई सामने लाने के लिए सीबीआई जांच जरूरी है, जिसकी निगरानी सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश द्वारा की जानी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार का दबाव या पक्षपात न हो। सामाजिक संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने शीघ्र उनकी मांगों पर ठोस कदम नहीं उठाए, तो आंदोलन को और अधिक व्यापक व उग्र रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक अंकिता को पूर्ण न्याय नहीं मिलेगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

रविवार को भी चला शहर से लेकर गांव तक महा स्वच्छता अभियान

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

धर्म नगरी हरिद्वार को साफ, स्वच्छ और सुंदर जनपद बनाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की मुहिम रंग लाती दिखायी दे रही है। नववर्ष से शुरू किये गए विशेष महास्वच्छता अभियान के भी साकारात्मक नतीजे सामने आ रहे हैं। पूरे अभियान की जिलाधिकारी स्वंय निगरानी कर रहे हैं। तीर्थ नगरी जनपद हरिद्वार को स्वच्छ सुंदर बनाने के लिए पिछले 54 दिन से लगातार स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस ?अभियान के तहत शहर से लेकर गांव के मुख्य रास्तों और गलियों को साफ किया जा रहा है। जहां गंदगी के ढेर नजर आते थे वहां अब स्वच्छता नजर आने लगी है। शहर से लेकर गांव कस्बों एवं सड़क मार्गों पर यह अभियान निरंतर जारी है। वहीं नववर्ष से शुरू किये गए महा सफाई अभियान में जनपदवासियों और धार्मिक संस्थाओं के अलावा व्यापार मंडलों, जनप्रतिनिधियों, गैर स्वयंसेवी संगठनों की भी भागेदारी बढ़ती जा रही है। इस माह अभियान से जुड़ते हुए लोग अपने घर आंगन एवं आस पास क्षेत्र को साफ सुथरा रखने में कदम आगे बढ़ा रहे हैं। बीएचईएल नगर प्रशासक संजय पवार ने अवगत कराया कि राजकीय पॉलिटेक्निक, सिडकुल के निकट स्थित क्षेत्र में लगभग 150 टन कूड़ा-कचरा उठाया गया, जो सिडकुल एवं

बीएचईएल दोनों की भूमि पर फैला हुआ था। इससे वहाँ अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं कार्यरत कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ उत्पन्न हो रही थीं। उक्त कूड़े का उठान कार्य टाउनशिप प्रशासन विभाग, बीएचईएल द्वारा जेसीबी मशीनों एवं ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की सहायता से कराया गया। इस कार्य में नगर पालिका परिषद, शिवालिक नगर द्वारा एक ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक सहित उपलब्ध कराया गया, जिसके सहयोग से कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। ज्ञातव्य है कि विगत दिनों जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर उक्त क्षेत्र में डंप पड़े कुडे का उचित निस्तारण के निर्देश दिए गए थे। जिला युवा कल्याण अधिकारी ने अवगत कराया कि विकास खण्ड नारसन के खानमपुरम में महिला मंगल दल के महिलाओं द्वारा सफाई अभियान चलाया गया। खंड विकास अधिकारी खानपुर ने अवगत कराया कि खानपुर, शहाबपुर एवं दादुपुर क्षेत्रांतर्गत सफाई कार्य कराया गया। खण्ड विकास अधिकारी रूड़की ने अवगत कराया कि ग्राम पंचायत नन्हेडा अनन्तपुर क्षेत्रांतर्गत साफ सफाई का कार्य किया गया।

कांग्रेस नेताओं की बुद्धि—शुद्धि के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया हवन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भाजपा जिला हरिद्वार के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रविवार को कांग्रेस पार्टी की जनविरोधी नीतियों, राष्ट्रविरोधी सोच एवं लगातार देवभूमि उत्तराखंड जैसे राज्य में भ्रामक राजनीति के विरोध में कांग्रेस नेताओं की बुद्धि-शुद्धि हेतु हवन का आयोजन किया।

इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ ईश्वर से प्रार्थना की कि कांग्रेस पार्टी को सद्बुद्धि प्राप्त हो तथा वह तुष्टिकरण और भ्रम की राजनीति छोड़कर राष्ट्रहित में कार्य करें। जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लंबे समय से देश की जनता को गुमराह करने का कार्य कर रही है। भ्रष्टाचार, परिवारवाद और वोट बैंक की राजनीति कांग्रेस की पहचान बन चुकी है। कांग्रेस पार्टी द्वारा देवभूमि उत्तराखंड जैसे शांत प्रदेश में प्रदेशवासियों को भ्रामक व झूठी बातें बता कर निरंतर प्रदेश का माहौल खराब करने का काम किया जा रहा है। देवभूमि उत्तराखंड की संस्कृति शांति और प्रगति की है। हम प्रदेश की एकता और

अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नकारात्मक राजनीति का त्याग करें कांग्रेस

हवन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि कांग्रेस को अपनी नकारात्मक राजनीति का त्याग कर सकारात्मक और रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए। शिवालिक नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा देश में झूठ और नफरत की राजनीति करने का ही काम किया है।ओछी मानसिकता का परिचय यह समय समय पर देते रहते हैं परंतु एक जिम्मेदार और सभ्य नागरिक होने के नाते हमारा यह दायित्व है कि इन्हें इनके कर्तव्यों और गरिमा से अवगत कराया जाए। जिस प्रकार प्रदेश में कांग्रेस ने प्रदेशवासियों को गुमराह करने का काम किया है। उनका यह झूठ आज जनता के सामने आ चुका है प्रदेश की धामी सरकार जहां लगातार अंतिम छोर बैठे व्यक्ति की चिंता कर विकास की अग्रिम पंक्ति में ले जाने का काम कर रही है। आज प्रदेश का जनमानस प्रदेश एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित हो रहा है।

कांग्रेस नेता दिखा रहे चरित्र

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, मोर्चा-प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि भाजपा सदैव राष्ट्र, समाज और जनकल्याण के लिए कार्य करती रहेगी।

पूर्व जिला अध्यक्ष ठाकुर सुशील चौहान ने कहा कि जब शब्दों से मर्यादा टूटे तब संस्कृति ही समाधान है। बुद्धि-शुद्धि यज्ञ हमारी परंपरा का सशक्त उत्तर है। कांग्रेस के नेता अपना चरित्र दिखा रहे हैं वह निंदनीय है जिस प्रकार कांग्रेस के लोग महिलाओ का अपमान कर रहे हैं इस प्रकार के व्यवहार को समाज कभी भी मान्यता नहीं देता है।

ये कार्यकर्ता और पदाधिकारी रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा,प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा विक्रम भुल्लर, जिला मंत्री रितु ठाकुर, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रीति गुप्ता, मंडल अध्यक्ष कैलाश भंडारी व बिंदरपाल, राजेंद्र कटारिया, पंकज चौहान, अंशुल शर्मा, गौरव वर्मा, हर्षित त्रिपाठी, चंदन चौहान, वासु पाराशर, गौरव रौतेला, श्वेता सिंह, सौरभ चौहान, गौरव चौहान, भानु प्रताप, प्रणय चौरसिया, लजे राम, बागेश्वरी, दीपा सिंह, युधिष्ठिर वालिया, राहुल शर्मा, मयंक जोशी, सुधांशु राय, दिनेश चंद्र, राकेश राणा, हरिओम चौहान, रमेश पाठक, अनिल राणा, प्रवीण चमोली, संदीप मैथानी, कपिल कठेत, देव विख्यात भाटी, गौतम पाल, प्रमोद डोभाल, शिवरामपुरी, हरकेश चौहान, सुरेंद्र कंडवाल, राकेश राणा, हरिओम चौहान, रमेश पाठक, अनिल राणा आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

राजशाही की वापसी की मांग को लेकर नेपाल में सड़कों पर उतरे लोग

काठमांडू। नेपाल में एक बार फिर राजशाही की वापसी की मांग तेज हो गई है। राजधानी काठमांडू में रविवार को सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे और पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की। यह रैली मार्च में प्रस्तावित संसदीय चुनावों से पहले आयोजित की गई, जिसे राजनीतिक तौर पर बेहद अहम माना जा रहा है। यह प्रदर्शन 2008 में समाप्त हुई राजशाही के बाद पहला बड़ा संगठित शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है, खासकर तब जब सितंबर में जनरेशन-Z आंदोलन के बाद एक अंतरिम सरकार बनी और देश में राजनीतिक अस्थिरता गहराई। रैली में शामिल लोग नेपाल के संस्थापक राजा पृथ्वी नारायण शाह की प्रतिमा के आसपास जमा हुए और नारे लगाए 'हमें हमारा राजा चाहिए, राजशाही वापस लाओ।' प्रदर्शनकारी सम्राट थापा ने कहा, 'जनरेशन-जेड आंदोलन के बाद जिस रास्ते पर देश जा रहा है, उसमें राजशाही ही एकमात्र समाधान है। मौजूदा हालात को संभालने के लिए राजा जरूरी हैं।' रविवार का दिन पृथ्वी नारायण शाह की जयंती भी था। बीते वर्षों में इसी दिन होने वाली रैलियां हिंसक हो चुकी हैं। मार्च 2025 में हुई एक रैली में दो लोगों की मौत हुई थी। इस बार दंगा-रोधी पुलिस की भारी तैनाती के कारण प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा।

नेपाल में सितंबर में हुए युवा आंदोलनों ने तत्कालीन सरकार को सत्ता छोड़ने पर मजबूर कर दिया था। आंदोलन भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, अवसरों की कमी और खराब शासन व्यवस्था के खिलाफ था। इसके बाद देश की पहली महिला प्रधानमंत्री और सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट जज सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी। हालांकि, कार्की सरकार पर भ्रष्टाचार मामलों में ढिलाई और निर्णय लेने में देरी के आरोप भी लग रहे हैं, जिससे असंतोष और गहराया है। विश्लेषकों का मानना है कि मार्च चुनाव से पहले राजशाही बनाम गणतंत्र की बहस और तेज होगी। पूर्व शाही परिवार को अब भी नेपाल के बड़े वर्ग का समर्थन हासिल है। यह मुद्दा चुनावी राजनीति को पूरी तरह प्रभावित कर सकता है। नेपाल एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां भविष्य की शासन व्यवस्था को लेकर देश के भीतर गंभीर मंथन शुरू हो चुका है।

हाई अलर्ट पर तेहरान : ट्रंप की धमकी पर ईरान की दो टूक...

हमला किया तो तीखा जवाब देंगे

तेहरान। ईरान में बीते दो हफ्तों से सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। इस बीच अमेरिकी अधिकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान पर संभावित सैन्य हमलों के विकल्पों की ब्रीफिंग दी है। अगर ईरान सरकार प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई करती है तो ट्रम्प सैन्य कदम उठाने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ने अभी अंतिम फैसला नहीं लिया है। ट्रम्प ने शनिवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान आजादी की ओर देख रहा है, जो पहले कभी नहीं हुआ। अमेरिका मदद के लिए तैयार है। दूसरी तरफ दावा किया जा रहा है कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें ज्यादातर की मौत गोली लगने से हुई हैं। अब तक 2600 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। ईरान की संसद के अध्यक्ष ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी पर इस्लामिक गणराज्य पर हमला करता है, तो अमेरिकी सेना और इस्राइल पर वैध निशाना होंगे। मोहम्मद बगेर कालिबाफ की टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि उन्होंने ईरान पर हमले के बाद संभावित निशानों की सूची में इस्राइल को भी शामिल किया है। कट्टरपंथी नेता कालिबाफ ने यह धमकी तब दी जब ईरानी संसद में सांसद अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए मंच पर चढ़ गए। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के लिए अपनी योजना के बारे में एक बड़ा संकेत दिया है। अमेरिकी सेना ने रविवार को उन्हें ईरान पर हमले के संभावित विकल्पों के बारे में जानकारी दी। ईरान पर अमेरिकी हमले की आशंका लेकर इजराइल हाई अलर्ट पर है। इजराइली सूत्रों के हवाले से बताया है कि, हालात को देखते हुए इजराइली सुरक्षा एजेंसियां सतर्कता बढ़ाए हुए हैं। इजराइल और ईरान जून में 12 दिन की जंग लड़ चुके हैं, जिसमें अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर हवाई हमले किए थे। शनिवार को इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच फोन पर बातचीत हुई। रिपोर्ट के मुताबिक इस बातचीत में ईरान में अमेरिकी दखल की संभावना पर चर्चा हुई। अमेरिकी अधिकारी ने कॉल की पुष्टि की, लेकिन बातचीत के मुद्दों का खुलासा नहीं किया।

ईरान ने अमेरिका की संभावित सैन्य कार्रवाई पर तीखी चेतावनी जारी की है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बगेर कलीबाफ ने कहा है कि अगर प्रदर्शनकारियों को लेकर अमेरिका ने ईरान पर हमला किया, तो अमेरिकी सेना और इजराइल दोनों ईरान के निशाने पर होंगे।

भारतीय भाषाएं हमारी आत्मा, वैश्विक मंच पर सम्मान के साथ स्थापित करना हमारा संकल्प: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला

पथ प्रवाह, नई दिल्ली।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद, वैश्विक हिन्दी परिवार और दिल्ली विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तृतीय अंतरराष्ट्रीय भारतीय भाषा सम्मेलन का भव्य समापन रविवार को नई दिल्ली में हुआ। समापन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गोयल विशिष्ट अतिथि रहे। सत्र की अध्यक्षता आईजीएनसीए के अध्यक्ष एवं पद्म भूषण से सम्मानित प्रख्यात चिंतक राम बहादुर राय ने की।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय भाषाएं हमारी आत्मा हैं और जो अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं, वे अपनी भाषा में ही बात करते हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन विचार-विमर्श और संवाद का सशक्त मंच बना है, जहां यह मंथन हुआ कि भारतीय भाषाओं को नई पीढ़ी से कैसे जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे समृद्ध भाषाओं में भारतीय भाषाएं शामिल हैं, जिनके प्रत्येक शब्द में भारत की संस्कृति और सभ्यता बसती है। चुनौती यह है कि इन भाषाओं से वर्तमान और आने वाली पीढ़ी को कैसे जोड़ा जाए।

उन्होंने प्रवासी भारतीयों का उल्लेख करते हुए कहा कि विदेशों में बसे भारतीय अपनी संस्कृति और संस्कारों पर गर्व करते हैं, लेकिन यह आवश्यक है कि उनकी आने वाली पीढ़ी भी भारतीय भाषाओं से जुड़ी रहे। इसके लिए संगठित और निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ने संसद में भारतीय भाषाओं के बढ़ते प्रयोग पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संसद में आठवीं अनुसूची

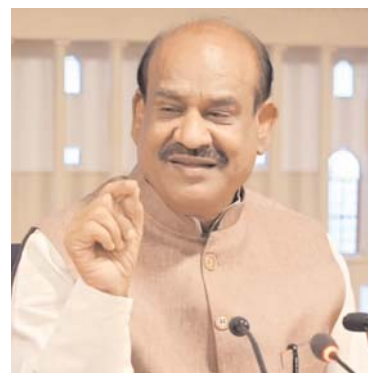

में शामिल 22 भाषाओं में अनुवाद की व्यवस्था है और अनेक सांसद अपनी मातृभाषा में अपनी बात रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी सत्रों में उनका प्रयास रहेगा कि देश के सभी क्षेत्रों के सांसद अपनी-अपनी भाषाओं में संसद में विचार रखें, ताकि लोकतंत्र के मंदिर से भारतीय भाषाओं का विस्तार हो।

उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक मंचों पर भारतीय भाषाओं में संवाद करना गर्व का विषय है। प्रधानमंत्री विश्व के किसी भी मंच पर अपनी भाषा में बात करते हैं और यही आत्मविश्वास भारत की पहचान है। अगर हम अपनी भाषा में अपनी बात दुनिया के सामने नहीं रखेंगे, तो कोई और नहीं रखेगा।

हिन्दी फिल्मों और भारतीय सिनेमा के योगदान को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि फिल्मों ने भारतीय भाषाओं को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाया है। विदेशों में लोग हिन्दी गीतों और संवादों से भारतीय संस्कृति की समृद्धि को महसूस करते हैं। देश के प्रत्येक प्रदेश की भाषा अपनी विशिष्टता लिए हुए है और सभी भाषाओं में भारत की मिट्टी की सुगंध बसती है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में राम बहादुर राय ने कहा कि इस सम्मेलन ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारतीय भाषाओं की वैश्विक परिधि है और उस परिधि का केंद्र हिन्दी है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के 75 वर्षों बाद भी अंग्रेजी का प्रभुत्व बना रहना एक गंभीर विचार का विषय है। यदि भारतीय भाषाओं को वास्तविक सम्मान देना है, तो प्रत्येक मंत्रालय में आठवीं अनुसूची की सभी भाषाओं के लिए अनुवादकों की नियुक्ति की जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने भाषा नीति, योजना और समस्याओं के समाधान के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय संस्थान के गठन का आग्रह किया।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गोयल ने कहा कि भारतीय भाषाएं सम्मान और स्वाभिमान का विषय हैं। ये भाषाएं सदियों से विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं और समुदायों के संवाद से विकसित हुई हैं। सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि भारतीय भाषाएं भौगोलिक सीमाओं से परे वैश्विक पहचान रखती हैं।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद के महासचिव श्याम परांडे ने कहा कि किसी भी सभ्यता और संस्कृति का मौलिक चिंतन उसकी अपनी भाषाओं में ही संभव है। सम्मेलन के निदेशक अनिल जोशी ने तीन दिवसीय सम्मेलन में हुई चर्चाओं का सार प्रस्तुत करते हुए भावी कार्ययोजना रखी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विनय शील चतुर्वेदी ने स्वागत भाषण दिया और मंच संचालन डॉ. अनीता वर्मा ने किया। तीन दिनों तक चले इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 40 से अधिक सत्र आयोजित हुए, जिनमें भारतीय भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन और वैश्विक प्रसार पर गहन विमर्श हुआ। सम्मेलन में ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, सिंगापुर, फ्रांस, नीदरलैंड, जापान, थाईलैंड, श्रीलंका, नेपाल और मॉरीशस सहित अनेक देशों से 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

जर्मनी ने डॉक्टरों पर मुकदमा चलाने के अमेरिका के आरोपों को नकारा

नई दिल्ली। जर्मनी की सरकार ने अमेरिकी स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के उन आरोपों को सख्ती से खारिज कर दिया है, जिनमें उन्होंने दावा किया था कि जर्मनी कोविड-19 महामारी के दौरान वैक्सीन या मास्क से छूट देने वाले डॉक्टरों और मरीजों पर मुकदमे चला रहा है। जर्मनी की स्वास्थ्य मंत्री नीना वार्कन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अमेरिकी मंत्री के बयान 'पूरी तरह बेबुनियाद, तथ्यात्मक रूप से गलत और अस्वीकार्य' हैं। दरअसल, रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने एक वीडियो संदेश में कहा था कि उन्होंने जर्मन स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर चिंता जताई है कि जर्मनी में हजारों डॉक्टरों और उनके मरीजों को वैक्सीन या मास्क छूट देने के कारण कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जर्मन सरकार मरीजों की स्वतंत्र चिकित्सा पसंद को सीमित कर रही है।

हालांकि, वार्कन ने इन दावों को नकारते हुए कहा कि कोरोना महामारी के दौरान जर्मनी में डॉक्टरों पर कोविड वैक्सीन देने की कोई बाध्यता नहीं थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो डॉक्टर मेडिकल, नैतिक या निजी कारणों से टीकाकरण नहीं करना चाहते थे, उनके खिलाफ न तो मुकदमा चला और न ही किसी तरह का दंड लगाया गया। जर्मन स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी साफ किया कि आपराधिक कार्रवाई केवल धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेजों के मामलों में की गई, जैसे कि नकली वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट या फर्जी मास्क छूट प्रमाणपत्र जारी करना। उन्होंने जोर देकर कहा कि जर्मनी में मरीजों को यह अधिकार है कि वे कौन-सी चिकित्सा या इलाज अपनाना चाहते हैं, इसका फैसला खुद करें।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com